आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

आज
* योगिनी एकादशी व्रत

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 39 अंक 343 | इंदौर, शुक्रवार 10 जुलाई, 2026 | आषाढ़ कृष्ण 11 संवत् 2083 | पृष्ठ-12 मूल्य-4.00 | www.awantika.com

देश विदेश

भारत को यूरेनियम सप्लाई करेगा ऑस्ट्रेलिया

मेलबर्न। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गुरुवार को यूरेनियम डील पर मुहर लग गई। मेलबर्न में पीएम मोदी और ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीज ने मीटिंग के बाद जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में रक्षा, व्यापार, ऊर्जा, स्पेस और महत्वपूर्ण खनिज (क्रिटिकल मिनरल्स) समेत कई क्षेत्र में समझौतों की घोषणा की। मोदी ने कहा- भारत और ऑस्ट्रेलिया मिलकर क्रिटिकल मिनरल्स कॉरिडोर भी विकसित करेंगे। कोकोस (कीलिंग) द्वीप पर स्पेस ट्रैकिंग टर्मिनल बनाया जाएगा, जिससे भारत के गगनयान मिशन को मदद मिलेगी। मोदी ने 16 साल के बच्चों को सोशल मीडिया बैन करने के मामले में ऑस्ट्रेलिया की तारीफ की। इसके बाद मेलबोर्न में 30 हजार भारतीयों को संबोधित किया।

अमेरिका में भारतीय इंजीनियर ने पत्नी की हत्या कर दी

वॉशिंगटन डीसी/हैदराबाद। अमेरिका में एक भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर को पत्नी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का आरोप है कि उसने पत्नी का गला घोंटकर हत्या की। अगले दिन उसके शव की फोटो भारत में रहने वाली गर्लफ्रेंड को भेजी। करीब 9 महीने तक चली जांच के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। फिलहाल वह हिरासत में है। उसे जमानत के लिए 50 लाख डॉलर यानी करीब 47 करोड़ रुपए चुकाने होंगे। दोषी साबित होने पर उसे उम्रकैद की सजा हो सकती है। आरोपी की पहचान 30 साल के अविनाश नार्ने के रूप में हुई है। वह तेलंगाना का रहने वाला है। वह अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। उसकी शादी 5 जून 2025 को 27 साल की राजिता सब्बिनेनी से हुई थी।

खालिस्तान समर्थक ब्रिटेन और कनाडा में कर सकते हैं भारतीयों पर हमले

नई दिल्ली। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने ब्रिटेन और कनाडा में रह रहे भारतीय समुदाय की सुरक्षा को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की है। खुफिया सूचनाओं के अनुसार, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और खालिस्तानी समर्थक भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थक माने जाने वाले लोगों पर हमलों की साजिश रच रहे हैं। खुफिया अधिकारियों के अनुसार, हाल के वर्षों में ब्रिटेन और कनाडा में भारतीय समुदाय के खिलाफ कथित तौर पर खालिस्तान समर्थक तत्वों द्वारा घृणा अपराध और हिंसक घटनाओं में बढ़ोतरी देखी गई है। पहले जहां ऐसी घटनाएं छिटपुट होती थीं, वहीं अब आशंका है कि इन्हें अधिक संगठित तरीके से अंजाम दिया जा सकता है।

जाह्नवी कपूर की मेहंदी में दिखा बॉयफ्रेंड का नाम

मुंबई। अंशुला कपूर के वेडिंग रिसेप्शन में जाह्नवी कपूर अपने लुक के साथ-साथ मेहंदी को लेकर भी चर्चा में रहीं। उन्होंने डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की सिल्क साड़ी को स्ट्रैपलेस ब्लाउज के साथ पहना था। उनका यह लुक सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया गया। जाह्नवी ने इंस्टाग्राम पर रिसेप्शन की कई तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में उनकी मेहंदी पर 'शिखु' नाम लिखा नजर आया। 'शिखु' उनके बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया का निकनेम है। यह नाम मेहंदी के डिजाइन में बारीकी से लिखा गया था। वहीं, अंशुला कपूर के वेडिंग रिसेप्शन में जाह्नवी कपूर का एक वीडियो भी सामने आया, जिसमें उन्होंने ढोल बजाया। बता दें कि 2024 में फिल्म 'मैदान' की स्क्रीनिंग के दौरान वह 'शिखु' नाम का नेकलेस पहनकर पहुंची थीं।

कलकत्ता हाईकोर्ट से ममता बनर्जी को मिली बड़ी राहत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है. ममता बनर्जी की टीएमसी अब अपने खाते से पैसा निकाल पाएगी। कलकत्ता हाई कोर्ट ने गुरुवार को एक स्पेशल ऑफिसर नियुक्त किया है। यह ऑफिसर टीएमसी के उन तीन बैंक अकाउंट्स को चलाने में मदद करेगा, जिन्हें पश्चिम बंगाल पुलिस के निर्देश पर फ्रीज कर दिया गया था। ये बैंक अकाउंट्स तब फ्रीज किए गए थे, जब बागी गुट की टीएमसी विधायक विश्वनाथ दास ने फंड के गलत इस्तेमाल की शिकायत दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, कलकत्ता हाईकोर्ट के जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने रिटायर्ड न्यायाधीश जस्टिस सुब्रत तालुकदार को 30 सितंबर तक स्पेशल ऑफिसर नियुक्त किया है।

लॉरी और कार की भिड़ंत में सात लोगों की दर्दनाक मौत, 2 लोग गंभीर

बेंगलुरु। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां गुरुवार तड़के एक कार की लॉरी से आमने-सामने की टक्कर में सात लोगों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह हादसा येल्लापुर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में एनएच-52 पर अराबैल घाट इलाके में बालागारा क्रॉस के पास रात करीब 1.30 बजे हुआ। पुलिस ने बताया कि घायलों को पहले पास के अस्पताल ले जाया गया और बाद में हुबली के अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, कार में ड्राइवर समेत नौ लोग सवार थे और वे धारवाड़ से धर्मस्थल और चिकमगलूर की यात्रा पर जा रहे थे। शुरुआती जानकारी से पता चला है कि गाड़ी का ड्राइवर एक फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म के साथ पार्ट-टाइम डिलीवरी एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम करता था।

भूख हड़ताल के कारण वांगचुक का वजन सात किलो से अधिक गिरा, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लोगों से की भावुक अपील

जंतर-मंतर आइए, सीजेपी का 20 जुलाई को संसद मार्च का एलान

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भूख हड़ताल के कारण वांगचुक का वजन सात किलो से अधिक गिर गया है। वांगचुक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लोगों से भावुक अपील करते हुए कहा कि अगर आप सच में मदद करना चाहते हैं, तो आरामदायक सोफे से संदेश भेजने के बजाय 20 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर आएं। हम सब मिलकर संसद की तरफ शांतिपूर्ण मार्च करेंगे।

देश में प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और धांधली के विरोध में जंतर-मंतर पर चल रहा प्रदर्शन अब और उग्र रूप लेने जा रहा है। भारी बारिश के बीच जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का धरना गुरुवार को 20वें दिन भी जारी रहा। इस बीच, सीजेपी ने घोषणा की है कि वह संसद के मानसून सत्र के पहले दिन, यानी 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद भवन तक एक शांतिपूर्ण मार्च निकालेगी। सीजेपी ने देश भर के छात्रों, अभिभावकों और आम नागरिकों से इस मार्च में शामिल होने की अपील की है। इस आंदोलन की मुख्य मांग केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता लाना है।

सोनम वांगचुक भी करेंगे मार्च की अगुवाई

भूख हड़ताल के कारण वांगचुक का वजन सात किलो से अधिक गिर गया है। वांगचुक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लोगों से भावुक अपील करते हुए कहा कि अगर आप सच में मदद करना चाहते हैं, तो आरामदायक सोफे से संदेश भेजने के बजाय 20 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर आएं। हम सब मिलकर संसद की तरफ शांतिपूर्ण मार्च करेंगे और सांसदों से इस समस्या का स्थायी समाधान खोजने की अपील करेंगे।

प्रशासन पर प्रताड़ना का आरोप, विपक्षी नेताओं का मिला समर्थन

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने दिल्ली पुलिस पर प्रदर्शनकारियों को परेशान करने का आरोप लगाया है। उन्होंने एक वीडियो साझा करते हुए कहा कि दिल्ली में भारी बारिश हो रही है, लेकिन पुलिस भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों को सुरक्षा के लिए तिरपाल (टार्पोलिन) तक लाने की इजाजत नहीं दे रही है। इस बीच, भूख हड़ताल पर बैठे आइसा कार्यकर्ता ऋषिकेश की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल में भर्ती कराया गया है। छात्रों के इस आंदोलन को राजनीतिक समर्थन भी मिलने लगा है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद अरविंद सावंत और माकपा (सीपीआई-एम) की वरिष्ठ नेता सुभाषिनी अली ने जंतर-मंतर पहुंचकर छात्रों का समर्थन किया। अरविंद सावंत ने आश्वासन दिया कि वह मानसून सत्र के दौरान संसद में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाएंगे।

कॉकरोच पार्टी फाउंडर दीपके ने पुलिस के पैर पकड़े, टेंट लगाने की इजाजत मांगी

फाउंडर अभिजीत दीपके ने गुरुवार को पुलिसवालों के पैर पकड़े और हाथ जोड़े। वे टेंट लगाने की इजाजत मांग रहे थे ताकि भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों को बारिश से बचाया जा सके। दीपके ने इस घटना का वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा- भूख हड़ताल पर बैठे स्टूडेंट्स बारिश में भीग रहे हैं। मैंने पुलिस अधिकारियों से जंतर-मंतर पर टेंट लगाने की परमिशन मांगी है। उन्होंने दूसरे वीडियो में पुलिस पर तिरपाल लाने की कोशिश कर रहे स्टूडेंट्स के साथ बदसलूकी करने का आरोप लगाया। दीपके ने लिखा- महिला स्टूडेंट्स को पुरुष पुलिसवालों ने धक्का दिया।

उत्तरप्रदेश के 50 शहरों में तेज बारिश, मानसून ने पूरे देश को कवर किया

गाजियाबाद में सड़क धंसी, कार-बाइक गड्ढे में समाए

एजेंसी ▸▸ पटना

मानसून ने गुरुवार को पूरे देश को कवर कर लिया है। आमतौर पर यह 8 जुलाई को देश का पूरा हिस्सा कवर कर लेता है, लेकिन इस बार एक दिन लेट है।

मानसून के कारण सभी राज्यों में बारिश का दौर जारी है। यूपी में गुरुवार सुबह से नोएडा, मथुरा, मेरठ, बुलंदशहर समेत 50 शहरों में तेज बारिश हो रही है। नोएडा में सड़कों पर एक से दो फीट तक पानी भर गया। वहीं, गाजियाबाद में 10 फीट सड़क धंस गई। इसमें कार और बाइक समा गई।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में नालूपानी और यमुनोत्री नेशनल हाईवे पर भूस्खलन हुआ। वहीं, टिहरी में बुधवार को एनएच-707ए पर दुकानों के पास भूस्खलन में एक मकान गिर गया। आसपास के दो से तीन मकान कभी भी गिर सकते हैं। इधर, राजस्थान के अजमेर जिले के किशनगढ़ में बुधवार रात बारिश से एक मकान ढह गया। मलबे में से पति-पत्नी समेत लोगों का रेस्क्यू किया गया। वहीं, महाराष्ट्र के रायगढ़ में बारिश के बाद 3 हजार एलपीजी सिलेंडर पातालगंगा नदी में बह गए।

उत्तरकाशी- टिहरी में भूस्खलन से गिरा मकान

रायगढ़ में बारिश के बाद 3 हजार एलपीजी सिलेंडर पातालगंगा नदी में बह गए

यमुनोत्री नेशनल हाईवे के पास भूस्खलन, 1000 यात्री फंसे

यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग स्थानीय स्यानाचट्टी के पास भूस्खलन से यमुनोत्री धाम जाने वाले यात्रियों को कुछ समय के लिए रोक दिया गया है। ऊपर से बड़े-बड़े पत्थर गिर रहे हैं। यात्रियों से जहां है वहीं रहने की अपील की गई है। रास्ते में करीब 1000 यात्री फंस गए हैं।

मुख्यमंत्री जी आप राजा हरिश्चंद्र नहीं हो: पटवारी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

दिल्ली में सरदार सरोवर परियोजना से जुड़े अंतरराज्यीय भुगतान विवाद के समाधान पर हुए समझौते को लेकर कांग्रेस ने मोहन सरकार पर बड़ा हमला बोला है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को चुनौती देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी, आप राजा हरिश्चंद्र नहीं हो कि जो कह देंगे, जनता उसे सच मान लेगी। पटवारी ने सवाल किया कि जब मध्यप्रदेश ने सरदार सरोवर परियोजना में हुए नुकसान के आधार पर 7,669 करोड़ रुपए का दावा किया था, तो आखिर वह दावा क्यों छोड़ दिया गया। पटवारी ने पूरे समझौते पर श्वेत पत्र जारी करने और विधानसभा में चर्चा कराने की मांग की।

राममंदिर चढ़ावा चोरी- आरोपियों के घर से नोटों के बंडल मिले

एजेंसी ▸▸ अयोध्या

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी अनुकल्प मिश्रा को पुलिस गुरुवार सुबह 9 बजे उसके घर लेकर गई। वहां करीब 20 मिनट तक तलाशी ली। घरवालों से भी पूछताछ की। इससे पहले, पुलिस लवकुश मिश्रा और करुणेश पांडेय को भी उनके घरों पर लेकर गई थी। इनके भी घरों की तलाशी ली थी। पुलिस ने आरोपियों के रिश्तेदारों के 30 बैंक खाते फ्रीज किए हैं।

जज तबस्सुम खान को मिली धमकियों पर सख्त हुआ हाईकोर्ट

दैनिक अवन्तिका ▸▸ जबलपुर

नर्मदापुरम जिले के सिवनी मालवा में बहुचर्चित मॉब लिंचिंग और गौहत्या प्रकरण में 14 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाने वाली सेशन जज तबस्सुम खान को इंटरनेट मीडिया के माध्यम से मिली धमकियों के मामले में मप्र हाई कोर्ट ने गुरुवार को कड़ा रुख अपनाया। जबलपुर स्थित हाई कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान प्रशासनिक न्यायमूर्ति आनंद पाठक और न्यायमूर्ति बी.पी. शर्मा की युगलपीठ के समक्ष पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की ओर से हलफनामा प्रस्तुत किया गया, जिसमें महिला न्यायाधीश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों का विस्तृत ब्यौरा दिया गया।

उमरिया में भीषण सड़क हादसा

खड़े ट्रक में घुसी तेज रफ्तार कार, चार की मौत, एक गंभीर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उमरिया

प्रदेश के उमरिया जिले से एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। गुरुवार सुबह तड़के नेशनल हाईवे-43 पर एक तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े एक ट्रक के पिछले हिस्से में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार पांच लोगों में से चार की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय राहगीरों और पुलिस प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया। पुलिस से मिली प्राथमिक जानकारी के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त कार कटनी की ओर से आ रही थी और उमरिया की तरफ जा रही थी। नेशनल हाईवे-43 पर स्थानीय पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत अचानक चालक ने वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया। नियंत्रण खोने के बाद तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े एक बड़े ट्रक के पिछले हिस्से से जा टकराई। भिड़ंत की आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से ट्रक के नीचे फंस गया था। सूचना पर पहुंची रेस्क्यू टीम और स्थानीय पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद कार के मलबे को काटकर पीड़ितों को बाहर निकाला।

पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर रेल मंडल में चिकित्सा क्षतिपूर्ति के नाम पर फर्जीवाड़ा

अब तक 10 कर्मचारी निलंबित, अफसर भी निशाने पर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ जबलपुर

पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर रेल मंडल के सात और कर्मचारी चिकित्सा क्षतिपूर्ति फर्जीवाड़े में निलंबित किए गए हैं। इस मामले में अब तक कुल 10 कर्मचारियों पर कार्रवाई की जा चुकी है। विभाग ने रिकवरी की कार्रवाई भी शुरू कर दी है। दावा राशि से अधिक भुगतान का यह खेल आपसी साठगांठ से चल रहा था। माना जा रहा है कि इस गोरखधंधे में एक अफसर की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

हाल ही में जिन सात कर्मियों को निलंबित किया गया है, वह सभी टेक्नीशियन हैं और वर्तमान में भोपाल रेल मंडल के अंतर्गत पदस्थ हैं। चिकित्सा क्षतिपूर्ति में धांधली का पदार्फाश न्यू कटनी जंक्शन में पदस्थ कर्मचारी की शिकायत से हुआ। उसके वेतन खाते में अचानक लगभग पांच लाख रुपये आ गए थे। वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी वरुण कुमार चतुर्वेदी ने न्यू कटनी जंक्शन के इलेक्ट्रानिक लोको शेड में पदस्थ कुछ अन्य कर्मियों के वेतन-भत्ता रिकार्ड खंगाला तो पता चला कि ऐसे अनियमित भुगतान कुछ अन्य कर्मियों को किए गए हैं।

ये कर्मचारी किए गए निलंबित

जागेंद्र कुमार श्रीवास, अतुल राजमान लोटन, राजा भैया तिवारी, विनोद कुमार तिवारी, सुरेखा कौरव, अमित कच्ची, बृजेश कुमार पासी। इन पर पहले हो चुकी है कार्रवाई- लेखा विभाग के वरिष्ठ लेखा सहायक रामेश्वर अग्रवाल, कार्मिक विभाग के कार्यालय अधीक्षक मयंक श्रीवास्तव व अतुल कुमार जोहरे।

ईरान के परमाणु ठिकानों के पास अमेरिका का हमला

2 दिन में 170 जगह मिसाइल-ड्रोन दागे

जवाब में ईरान ने कतर, कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैनिक अड्डों पर अटैक किया

एजेंसी ▸▸ तेल अवीव

ईरान ने अमेरिका पर बुशहर परमाणु बिजली फैसिलिटी के पास हवाई हमला करने का आरोप लगाया है। अल जजीरा के मुताबिक यह हमला दोपहर करीब 12 बजे हुआ। वहीं, न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक अमेरिका ने पिछले 2 दिनों में ईरान के 170 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन दागे हैं।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, हमलों में एयर डिफेंस सिस्टम, ड्रोन और मिसाइल भंडार, सैन्य स्पीड बोट और होर्मुज स्ट्रेट के पास तटीय इलाकों में मौजूद सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। जवाब में ईरान ने बताया कि उसने कतर, कुवैत और बहरीन में अमेरिका के सैनिक अड्डों पर ड्रोन हमले किए हैं। ईरानी सेना के मुताबिक, हमलों में कुवैत के पैट्रियट मिसाइल सिस्टम, कतर के अर्ली वॉर्निंग सैटेलाइट एंटीना और बहरीन में अमेरिकी सेना के फ्यूल टैंक को निशाना बनाया गया। सीएनएन के मुताबिक, होर्मुज में बढ़ते तनाव के बाद कुवैत का 20 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर जा रहा भारतीय झंडे वाला टैंकर लीला वादिनार बुधवार को होर्मुज स्ट्रेट के पास ओमान के तट से वापस लौट गया।

अयातुल्ला खामेनेई के तबाह घर का वीडियो ईरान ने अंतिम संस्कार के ठीक पहले जारी किया

- ईरान सरकार ने बुधवार देर रात पहली बार दिवंगत सर्वोच्च नेता सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के आवासीय परिसर पर हुए हमले और उससे हुई तबाही का आधिकारिक वीडियो जारी किया।
- वीडियो 35 सेकेंड का है। यह ऐसे समय आया है, जब राजधानी तेहरान में खामेनेई के अंतिम संस्कार का कार्यक्रम चल रहा है। आज उन्हें मशहद में दफनाया जाएगा।
- खामेनेई 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले के पहले दिन मारे गए थे। हमले में उनके परिवार के कई सदस्यों और 40 अफसरों की जान भी गई थी। इसमें खामेनेई की 14 महीने की पोती भी शामिल थी। अमेरिका-इजराइल ने एक साथ 35 मिसाइलें गिराई थीं।

महाकाल श्रृंगार

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का बुधवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

सीवरेज लाइन जाम...

धर्मनगरी में पिछले 8 वर्षों से सिवरेज की लाईन डालने का काम अंजाम दिया जा रहा है। अरबों-खरबों की इस योजना को धरातल पर लाने में पसीना तो आ ही रहा है। इसकी सफलता पर भी अभी से जनमानस में सवाल उठने लगे हैं। जनमानस के सवालों के घेरे में सीवरेज की इस योजना में जिस आकार के पाईप रहवासी क्षेत्रों में डाले जा रहे हैं वह योजना कागजों में करीब 10 साल पहले आई होगी। उसे अमली जामा पहनाने में समय लगा होगा। कर्णधारों के गले योजना को उतारने में समय लगा होगा। उसके उपरांत योजना को विधि सम्मत रूप मिल सका होगा। इसके बाद अन्य कार्रवाई करते हुए उसका ठेका विधि मान्य रूप से दिया गया होगा। करीब 12 वर्ष पूर्व योजना की डीपीआर बनी होगी। ठेके में पूरी लाइन को चालू कर कुछ वर्षों तक इसका संधारण भी किए जाने की शर्त शामिल है।

जनमानस सवाल उठा रहा है कि जिस आकार के रहवासी क्षेत्रों में पाइप इस्तेमाल किए गए हैं उनसे तो वर्तमान में जहां लाईन चालू की गई है वहां ही चैंबर जाम के हालात बनने लगे हैं। सिवरेज का प्रवाह ही पूरी तरह से उसमें नहीं चल पा रहा है। ऐसे में सफाई के हालात बनना तय है और चेंबरों के ओव्हर फ्लो के हालात भी बनना तय हैं। अगर आगामी 10 साल यह योजना जैसे-तैसे चल भी गई तो उसके बाद क्या एक बार फिर से 10 साल तक शहर की खुदाई करते हुए नई सिवरेज लाइन डालने की योजना पर अरबों रूपए खर्च के लिए फिर से योजना बनाई जाएगी। अभी के हालातों में ही सालों बितने पर भी यह तय रूप से कोई जिम्मेदार यह कहने की स्थिति में नहीं है कि आखिर कब और किस दिनांक से शहर भर में सिवरेज की लाइन चालू कर दी जाएगी। खुसूर-फुसूर है कि योजना की शुरूआत में ही यह तो सबके सामने ही होगा कि अगले 10 वर्ष में सिवरेज को लेकर शहर की हालत क्या और कैसी होगी। विकासशील शहर में रोज नई कालोनियां जुडती जा रही है। आवासीय क्षेत्र विकसित हो रहे हैं। अभी उन क्षेत्रों तक तो यह लाइन डली ही नहीं है। ऐसे में सिवरेज निश्चित तौर पर कहीं न कहीं किसी न किसी क्षेत्र को तो प्रदुषित करेगा ही। नए क्षेत्रों में सिवरेज को लेकर जरूर कुछ जगहों पर अभी से बेहतर प्रबंधन किए जाने की स्थिति है लेकिन जो क्षेत्र पिछले कुछ वर्षों में विकसित हुए हैं वहां तो अभी सभी कुछ किया जाना बाकी है। ऐसे में इस सिवरेज की योजना की सफलता संशय के दायरे में है। आए दिन इसके चैंबरों का जाम यही कह रहा है कि अगले 40 वर्ष तो ठीक आगामी दशक में ही यह समस्या फिर विकराल रूप से सामने आएगी और धरा के अंदर की लाइन और उसमें बहता सिवरेज भी।

न्यूज कॉलम

श्वेता की स्मृति में पौधारोपण हाटकेश्वर उद्यान में लगाए 42 पौधे

उज्जैन। छोटी उम्र में विभिन्न क्षेत्रों में बड़े कीर्तिमान स्थापित करने वाली आदर्श शिक्षिका और सच्ची समाजसेविका स्व. श्रीमती श्वेता नागर पुत्री सुरेश रावल की 42वीं जन्म-जयंती पर वार्ड 49 में नगर-निगम द्वारा विकसित श्री हाटकेश्वर उद्यान में पूर्व पार्षदद्वय संतोष व्यास और ऋतुराज व्यास के मुख्य आतिथ्य और वरिष्ठ समाजसेवी नरेंद्र नागर के विषेश आतिथ्य में विभिन्न प्रजाति के फल, फूल और औषधि के 42 पौधे न केवल लगाए बल्कि इनके संरक्षण तथा सुरक्षा का भी संकल्प लिया। संचालन प्रकाश बांगर ने किया। इस अवसर पर जिलेदार सिंह सिकरवार, विजय सिह चौहान, मधुकर राव शिन्दे, एड.बी. एल. शर्मा, के. के. रावत, अजय खत्री, गोपाल जुनेजा, रवि औझा, राहुल नागर, सुरेश रावल सहित बड़ी सन्ख्या में क्षेत्र की माता-बहिनें और बच्चे उपस्थित थे।

व्यवसायी प्रभात बर्वे का हृदयाघात से असामयिक निधन

उज्जैन। नगादा नगर के प्रिंटिंग प्रेस एवं कंप्यूटर व्यवसायी प्रभात बर्वे का मंगलवार को हृदयाघात के कारण आकस्मिक निधन हो गया। अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें तत्काल जनसेवा अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद रतलाम रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उनका निधन हो गया। स्वर्गीय प्रभात बर्वे अपने सहज, सरल, मिलनसार एवं सेवा-भावी व्यक्तित्व के कारण नगर में विशेष पहचान रखते थे। उनके आकस्मिक निधन का समाचार मिलते ही परिजनों, मित्रों, शुभचिंतकों तथा सामाजिक एवं व्यावसायिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई।

हर साल की तरह इस बार भी खरीदी में सोख्ता की स्थिति कायम रही

समर्थन मूल्य पर खरीदी का 1.39 करोड़ का गेहूं गायब

सोसायटी की खरीद से गोदाम पहुंचने के बीच 396 टन गेहूं का नहीं मिल रहा हिसाब

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

कुछ माह पूर्व सरकार ने किसानों से समर्थन मुल्य पर गेहूं खरीदी की थी। जिले भर में इसकी जोरदार रेकार्ड खरीदी की गई थी। इसी गेहूं में से 1.39 करोड़ से अधिक की राशि का 396 टन गेहूं गायब हो गया है। गेहूं गायब होने का यह मामला खरीदी करने वाली सोसायटी और गोदाम तक पहुंचाने वाले परिवहनकर्ता के बीच ही होना सामने आया है।

हर साल की तरह एक बार फिर से इस वर्ष भी समर्थन मुल्य पर खरीदी का गेहूं गायब हुआ है। इसे शासकीय भाषा में सोख्ता कहा जाता है। इस वर्ष उज्जैन जिले में 172 केंद्रों के माध्यम से सरकार ने समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी की थी। उज्जैन में पिछले वर्ष 95 हजार मेट्रिक टन की अपेक्षा इस बार 1.24 लाख मेट्रिक टन की खरीदी की थी। इसी में से 396 टन गेहूं का हिसाब किताब मिलान में नहीं आ रहा है। प्रारंभिक स्थिति में दस्तावेजों से आंकड़ों को देखा गया है। सोसायटियों की खरीद एवं वहां से तौलकर परिवहनकर्ता के दस्तावेजों में दर्ज आंकड़ों को जांचा गया है।

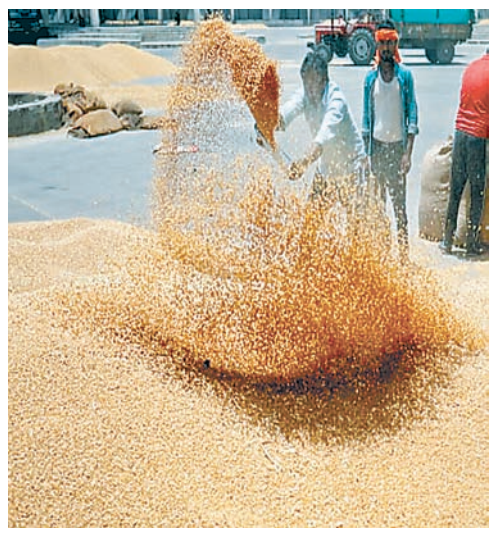

किस जिले में कितना गेहूं गायब

जिला	गायब गेहूं
जबलपुर	1433 टन
सागर	1166 टन
नरसिंहपुर	804 टन
विदिशा	694 टन
सतना	551 टन
आगर मालवा	518 टन
उज्जैन	396 टन
राजगढ़	330 टन
शाजापुर	330 टन
रीवा	308 टन
रायसेन	253 टन
सिवनी	220 टन
अशोकनगर	165 टन

नोट-जानकारी सूत्रों के आधार पर।

सरकार को कोई नुकसान नहीं

जिला आपूर्ति अधिकारी शालू वर्मा से जानकारी लेने पर उन्होंने गेहूं की मात्रा का खुलासा नहीं किया लेकिन दावे से यह कहा कि इस पूरे मामले से शासन को कोई वित्तीय नुकसान की स्थिति नहीं है। प्रति वर्ष यह सोख्ता स्थिति बनती है जिसे शार्टेज कहा जाता है। हमें खरीदी के आंकडों का वजन चाहिए होता है। शार्टेज माल की कीमत सोसायटी एवं परिवहनकर्ता से वसूली जाती है। इस बार भी वसूल की जाएगी। खरीदी में सोसायटी का जो कमीशन होता है और परिवहनकर्ता का जो भुगतान होता है उसमें से इसकी वसूली कर ली जाती है।

13 जिलों में 7168 टन गायब

इधर जानकारी सामने आ रही है कि प्रदेश के 13 जिलों से सात हजार 168 टन गेहूं गायब है। 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से इसकी कीमत 18 करोड़ 82 लाख रुपये है। मामला सामने आने के बाद खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने जांच का काम शुरू किया है। इसे लेकर जिलों में जांच दल के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। स्थानीय अधिकारियों के साथ जाकर विभिन्न वेयर हाउसों का रिकॉर्ड देखा जा रहा है। खरीदी और परिवहन के दौरान गेहूं गायब होने की स्थिति सामने आ रही है। फिलहाल जांच एजेंसियां खरीदी केंद्रों, परिवहन रिकॉर्ड और वेयर हाउस में जमा स्टाक का मिलान कर रही हैं।

सिंहस्थ पूर्व उज्जैन में दताना हवाई पट्टी के स्थान पर एयरपोर्ट आकार लेगा

उज्जैन में अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के साथ कार्गो लाने की तैयारी

विक्रम उद्योगपुरी के साथ ही देवास का औद्योगिक क्षेत्र भी होगा लाभांवित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सिंहस्थ के पूर्व दतान हवाई पट्टी पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर का एयरपोर्ट आकार लेने की योजना धरातल पर उज्जैन एवं देवास के उद्योगों के लिए सौगात लेकर उतरने वाली है। अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय कार्गो सुविधा के लिए भी प्रयास तेज हो चुके हैं और एयरपोर्ट के साथ कार्गो की अनुमति एवं सुविधा मिलने से विक्रम उद्योगपुरी एवं देवास का औद्योगिक क्षेत्र भरपूर लाभांवित होंगे।

विश्वस्त सूत्रों का कहना है कि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा के साथ अगर अंतर्राष्ट्रीय कार्गो की सुविधा मिलेगी तो ऐसे में दताना हवाई अड्डा से सर्वाधिक लाभ औद्योगिक इकाईयों को होगा। इसके साथ ही अन्य नागरिक लाभ तो मिलना ही है। वर्तमान में दताना-मताना क्षेत्र में बोइंग श्रेणी के विमानों की उड़ान का हवाई अड्डा यहां बनाया जाना प्रस्तावित है। इसके लिए करीब 400 एकड़ जमीन अधिग्रहण की तैयारी की जा रही है। इसका रनवे 3600 से 4000मीटर लंबा रहेगा।

ये लाभ होगा कार्गो सुविधा से

एयर कार्गो, जिसे एयर फ्रेट भी कहा जाता है, का तात्पर्य हवाई मार्ग से माल परिवहन से है। इसमें एयर मेल, एयर फ्रेट और एयर एक्सप्रेस जैसी सेवाएं शामिल हैं और यह वैश्विक स्तर पर तत्काल शिपमेंट भेजने के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। मूल रूप से, हवाई जहाज द्वारा माल ढुलाई में छोटे पार्सल से लेकर विशाल मशीनरी तक, विमान के माध्यम से भेजे जाने वाले सभी प्रकार के सामान शामिल होते हैं। यह उन उद्योगों की आपूर्ति श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो त्वरित और समयबद्ध डिलेवरी पर निर्भर करते हैं। घरेलू हवाई माल ढुलाई के लिए कुशल और सुरक्षित कार्गो प्रबंधन प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है। आधुनिक बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकी-आधारित प्रक्रियाओं के साथ, यह टर्मिनल कई एयरलाइनों के लिए कार्गो की सुचारू स्वीकृति, पृथक्करण, भंडारण और प्रेषण सुनिश्चित करता है।

जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया

सिंहस्थ-2028 में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप देने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत प्रशासन इस ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। इसके चलते उज्जैन-देवास मार्ग पर स्थित दताना-मताना क्षेत्र में प्रस्तावित एयरपोर्ट को लेकर सरकार और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के बीच 1 नवंबर 2025 को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर एमओयू साइन किया गया था। इस समझौते के तहत 45 करोड की प्रारंभिक राशि एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया को दी जा चुकी है। इसके बाद तकनीकी प्रक्रिया शुरू हुई और मिट्टी परीक्षण भी कराया गया। शुरूआती योजना के अनुसार रनवे 1800 मीटर का होना था, लेकिन अब इसे दोगुना कर 3600 से 4000 मीटर करने का प्रस्ताव है, ताकि बोइंग सी-20 जैसे बड़े विमानों का संचालन संभव हो सके। इसके बनने से उज्जैन की इंदौर पर निर्भरता खत्म होगी और पर्यटन के साथ-साथ व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। जमीन अधिग्रहण को लेकर गतिविधि तेज हो चुकी है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर का होगा हवाई अड्डा

उज्जैन के दताना मताना में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के हवाई अड्डे के विस्तार को लेकर भारतीय विमान प्राधिकरण नई दिल्ली के जनरल मैनेजर कॉर्पोरेट कम्यूनिकेशन संदीप झा ने तत्कालीन दौर में बताया था कि वर्ष 2047 तक देश में 400 एयरपोर्ट बनाए जाना हैं वर्तमान में देश में 164 एयरपोर्ट हैं। आगामी समय में उज्जैन को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का हवाई अड्डा देंगे। उज्जैन हमारे धार्मिक पर्यटन का बड़ा केंद्र है।

अंतर्राष्ट्रीय कार्गो के प्रयास

सूत्रों का कहना है कि अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के साथ उज्जैन में अंतर्राष्ट्रीय कार्गो भी शुरू किया जाए। उज्जैन इलाके में आ रही औद्योगिक इकाईयों के लिए यह कार्गो मददगार साबित होगा। एयरपोर्ट के लिए जमीन अधिग्रहण, मुआवजा और अन्य स्वीकृतियों के लिए राजधानी से लेकर उज्जैन के अधिकारी सतत प्रयासरत हैं। ये मामला अभी पाईप लाईन में ही बताया जा रहा है।

सवारी मार्ग के कार्य 10 जुलाई तक पूरे करें

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

बाबा महाकाल की सवारी को देखते हुए निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने बुधवार को हरसिद्धि पाल-रामघाट, रामानुजकोट-गणगौर दरवाजा तथा सत्यनारायण मंदिर से छत्री चौक तक चल रहे सीवरेज और सड़क चौड़ीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों के साथ सभी लंबित कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

अमृत 2.0 योजना के तहत टाटा कंपनी द्वारा किए जा रहे सीवरेज कार्य की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने अतिरिक्त श्रमिक और संसाधन लगाकर पाइपलाइन एवं सीसी सड़क निर्माण का कार्य 10 जुलाई तक हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि महाकाल सवारी मार्ग पर किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। वार्ड क्रमांक 22 में सफाई व्यवस्था के निरीक्षण के दौरान योगमाया मंदिर क्षेत्र में सफाई संतोषजनक नहीं मिलने पर स्वास्थ्य निरीक्षक और स्वास्थ्य अधिकारी का वेतन काटने के निर्देश दिए।

अब 14 जुलाई से चक्रतीर्थ पर मिलेगा मृत्यु प्रमाण पत्र

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

नगर निगम की स्वास्थ्य समिति की बैठक में महापौर मुकेश टटवाल ने वर्षाकाल को देखते हुए शहर की सफाई व्यवस्था और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां भी सफाई संबंधी समस्या हो, उसका तत्काल समाधान किया जाए तथा सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ प्रभावी चालानी कार्रवाई की जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार मंगलवार से चक्रतीर्थ पर मृत्यु प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने की व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया गया। घर पहुंचकर मृत्यु प्रमाण पत्र देने की सुविधा भी पूर्ववत जारी रहेगी।

महापौर ने सुलभ कॉम्प्लेक्स की नियमित सफाई, आवारा पशुओं पर कार्रवाई, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहनों के समय पर संचालन और नागरिकों को गीला-सूखा कचरा अलग-अलग देने के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए। उद्यानों व सार्वजनिक स्थलों पर पालतू श्वानों को खुले में शौच कराने वालों पर भी चालानी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। आगामी त्योहारों को देखते हुए धार्मिक स्थलों, प्रमुख मार्गों और सार्वजनिक स्थानों पर विशेष सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

पॉलिटेक्निक कॉलेज में प्रदेश की पहली आइडिया लैब तैयार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन के देवास रोड स्थित शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में प्रदेश की पहली आइडिया लैब तैयार हो गई है। 90 लाख रुपए की लागत से बनी इस लैब में विद्यार्थी अपने आइडिया को प्रोटोटाइप (प्रोडक्ट) का रूप दे सकेंगे। इस लैब में 35 अत्याधुनिक मशीनें और 160 से अधिक टूल्स एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे। पॉलिटेक्निक संस्थानों में यह प्रदेश की पहली सबसे आधुनिक लैब है। कॉलेज के वर्कशॉप सुपरिंटेंडेंट एवं आइडिया लैब प्रभारी डॉ. आरवी पाटिल ने बताया कि यहां विद्यार्थी लेजर कटर, 3डी प्रिंटर, सीएनसी राउटर, सीओ2 लेजर कटर और इंटरनेट ऑफ थिंग्स आधारित उपकरणों पर काम कर सकेंगे।

ठहाकों की गर्जना हास्य -व्यंग्य की वर्षा के मध्य हुआ झालमुड़ी एवं धुरंधर सम्मान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

हास्य सम्राट पंडित ओम व्यास ओम की 15वीं पुण्यतिथि के अवसर पर ओम हास्याय नमः संस्था द्वारा हास्य व्यंग्य के क्षेत्र में परचम लहराने वाले इंदौर के सुप्रसिद्ध हास्य कवि प्रदीप नवीन को झालमुड़ी सम्मान एवं रतलाम के व्यंग्य क्षेत्र के नमकीन गाठिया कवि जुझार सिंह भाटी को धुरंधर व्यंग्य सम्मान से अलंकृत किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि निगम महापौर मुकेश टटवाल थे। विशेष अतिथि विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष मुकेश यादव थे। समारोह के अध्यक्षता इंदौर के प्रसिद्ध साहित्यकार हरिराम वाजपेई ने की। अतिथि द्वारा झालमुड़ी नमकीन की माला, शाल श्रीफल, दुपट्टा, पगड़ी, मोमेंटो द्वारा कवियों का बहुमान किया गया। समारोह के सूत्रधार स्वामी मुस्कुराके ने अपने अंदाज में कहा कि बुलंदियां खुद ही तलाश लेगी आपको, बस मौका ना छोड़िएगा मुश्किलों में मुस्कुराने का।

आगर रोड दरगाह मंडी चौराहे पर अतिक्रमण से बिगड़ी यातायात व्यवस्था, रोज लग रहा जाम

दुकानों के बाहर वाहनों का जमावड़ा, राहगीरों की बढ़ी परेशानी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शहर में यातायात व्यवस्था प्रभावित होने के प्रमुख कारणों में से एक मुख्य मार्गों पर फैला अतिक्रमण भी है। इसका ताजा उदाहरण आगर रोड स्थित दरगाह मंडी चौराहा है, जहां दुकानों के बाहर खड़े ई-रिक्शा, चारपहिया व दोपहिया वाहनों के कारण प्रतिदिन जाम की स्थिति बन रही है।

क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि कई दिनों से यहां यातायात व्यवस्था बिगड़ी हुई है, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है।दरगाह मंडी चौराहे के आसपास गैरेज, वेल्डिंग तथा अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालित हैं। इन दुकानों पर मरम्मत के लिए आने वाले ई-रिक्शा और अन्य वाहन लंबे समय तक सड़क पर खड़े रहते हैं। इसके अलावा कुछ कबाड़ और अनुपयोगी वाहन भी सड़क पर पड़े होने से मार्ग और संकरा हो गया है। इस कारण मुख्य सड़क का बड़ा हिस्सा पूरे दिन वाहनों से घिरा रहता है और दिनभर यातायात बाधित होता है।

सड़क चौड़ी होने के बावजूद भी यहां फैली अव्यवस्था के कारण वाहनों का जाम लग रहा है लोगों को यहां से निकलने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। यह मार्ग कृषि उपज मंडी और आगर रोड जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को जोड़ता है। ऐसे में इस मार्ग पर भारी वाहनों सहित अन्य यातायात का दबाव लगातार बना रहता है। लेकिन सड़क पर वाहनों के खड़े रहने से जाम की स्थिति निर्मित हो रही है जिससे स्थानीय रहवासियों, व्यापारियों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

पहले भी हो चुका है हादसा

क्षेत्रीय लोगों के अनुसार दरगाह मंडी चौराहे पर फैली अव्यवस्था को लेकर कई बार प्रशासन से शिकायत और व्यवस्था सुधारने की मांग की जा चुकी है। बावजूद इसके स्थिति में कोई सुधार दिखाई नहीं दे रहा है। क्षेत्रीय लोगों ने यह भी बताया कि कुछ वर्ष पहले इसी क्षेत्र में बिगड़ी यातायात व्यवस्था की वजह से एक बस कंडक्टर सड़क दुर्घटना का शिकार हुआ था, जिसमें उसकी मृत्यु हो गई थी। इसके बाद भी यातायात व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं हो सका।

कार्रवाई की मांग..

रहवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि दुकानों के बाहर सड़क पर खड़े वाहनों और अतिक्रमण के विरुद्ध नियमित कार्रवाई की जाए, ताकि मुख्य मार्ग पर यातायात सुचारु हो सके और भविष्य में दुर्घटनाओं की आशंका कम हो।

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

इंदौर | उज्जैन | गुरुवार 10 जुलाई, 2026 | www.awantika.com

न्यूज ब्रीफ

बीड़ी एवं खदान श्रमिकों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति आवेदन शुरू

इंदौर। श्रमिक परिवारों के बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा संचालित छात्रवृत्ति योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। योजना के अंतर्गत बीड़ी एवं खदान श्रमिकों के अध्ययनरत संतानों को स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा तक एक हजार से 25 हजार रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। श्रम कल्याण संगठन जबलपुर द्वारा पात्र विद्यार्थियों तक योजना की जानकारी पहुंचाने तथा समय-सीमा में आवेदन एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए छात्रवृत्ति आवेदन राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर एक जून से प्रारंभ हो चुके हैं।

साइबर सुरक्षा के लिए एनजीओ महिला आयोग और गूगल एक मंच पर

इंदौर। डिजिटल तकनीक के तेजी से बढ़ते उपयोग के साथ महिलाओं और बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा आज देश के सामने सबसे बड़ी सामाजिक और तकनीकी चुनौतियों में शामिल हो गई है। इसी चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश राज्य महिला आयोग, आहान फाउंडेशन और वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल के सहयोग से भोपाल में आयोजित विशेष एनजीओ मीट में डिजिटल सुरक्षा , साइबर अपराधों की रोकथाम और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग पर व्यापक विमर्श हुआ। मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग परिसर में आयोजित कार्यक्रम में आयोग की सदस्य श्रीमती साधना स्थापक ने कहा कि डिजिटल युग ने जितने अवसर उपलब्ध कराए हैं, उतनी ही नई चुनौतियां भी सामने आई हैं।

छात्राओं को प्रवेश संबंधी जानकारी प्रदान की गई

इंदौर। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय किला भवन में प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के निर्देशन तथा प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी.पी. बैरागी के मार्गदर्शन में प्रवेश समिति द्वारा नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश मेला का शुभारंभ किया गया। यह प्रवेश मेला गत दिवस से आगामी 15 जुलाई 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। प्रवेश मेले के उद्घाटन अवसर पर महाविद्यालय प्रशासन द्वारा छात्राओं एवं अभिभावकों का स्वागत करते हुए विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों, प्रवेश प्रक्रिया, विषय चयन, छात्रवृत्ति योजनाओं तथा महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रवेश मेला छात्राओं को उच्च शिक्षा के अवसरों से जोड़ने तथा उन्हें सही विषय एवं पाठ्यक्रम के चयन में मार्गदर्शन देने का प्रभावी माध्यम है।

विद्यार्थियों को मिलेंगे 40 प्रतिशत तक क्रेडिट पॉइंट

इंदौर। अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। यूजीसी ने कहा है कि जुलाई 2026 सेमेस्टर से स्वयं पोर्टल पर शुरू होने वाले टडडउ कोर्स को शैक्षणिक पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए। यूजीसी का मानना है कि इससे दूरदराज के विद्यार्थियों को भी देश के श्रेष्ठ शिक्षकों से पढ़ने का मौका मिलेगा। साथ ही यह शिक्षा को सस्ती और सुलभ भी बनाएगा। आयोग ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और यूजीसी के क्रेडिट फ्रेमवर्क के तहत कोई भी उच्च शिक्षा संस्थान अपने किसी भी डिग्री या डिप्लोमा प्रोग्राम में 40 प्रतिशत तक क्रेडिट पॉइंट ऑनलाइन कोर्स के माध्यम से दे सकता है। इसका मतलब है कि अगर कोई छात्र 4 साल की डिग्री कर रहा है तो उसके 160 क्रेडिट में से 64 क्रेडिट पॉइंट तक वह रहअ अट के कोर्स करके पूरा कर सकता है।

हस्तपुस्तिका बनाने के लिए अधिकारी-कर्मचारियों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

इंदौर। इंदौर जिले में जनगणना का कार्य निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इंदौर जिले में जनगणना से संबंधित हस्तपुस्तिका बनायी जाएगी। इसके लिए संबंधित निकाय के अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम रीजनल कैपेसिटी बिल्डिंग सेंटर सैटेलाईन भवन में आयोजित होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम 10 जुलाई से प्रारंभ होगा, जिसमें देपालपुर, हातोद, मल्हारगंज और जूनी इंदौर तहसील के कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसी तरह 11 जुलाई को सांवेर, खुडेल और बिचौली तहसील, 13 जुलाई को डॉ. अम्बेडकर नगर महू, कनाड़िया और राऊ तहसील तथा 14 जुलाई को नगर निगम इंदौर सहित जिले की सभी नगर परिषद और कंटोमेंट बोर्ड महू के कर्मियों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

उर्वरक का अवैध रूप से भण्डारण के विरूद्ध कार्रवाई

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा के निदेर्शानुसार जिले में उर्वरक, कीटनाशक व बीज गुण नियंत्रण अंतर्गत सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत विगत दिवस जिला स्तरीय गुण नियंत्रण दल द्वारा इंदौर के मेसर्स रेक्सोन क्राप केयर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड नटबोल्ट चौराहा मांगलिया स्थित गोदाम का निरीक्षण किया गया। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के संचालक द्वारा बताया गया कि निरीक्षण के दौरान कीटनाशक, उर्वरक एवं बायोस्टीमुलेंट का अवैध रूप से निर्माण एवं भण्डारण किया जाना पाया गया। मेसर्स द्वारा उर्वरक आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 एवं कीटनाशी अधिनियम 1968 का उल्लंघन करना पाया गया। जिला उर्वरक कीटनाशी निरीक्षक सह कृषि विकास अधिकारी द्वारा कंपनी के संचालक मनदीप के विरूद्ध पुलिस थाना लसुडिया मोरी देवास नाका इन्दौर में एफ.आई.आर. दर्ज करवाई गई।

बड़नगर विस्फोट मामला हाईकोर्ट पहुंचा, एनआईए-सीबीआई जांच की मांग

धार्मिक जुलूसों के लिए एसओपी बनाने की भी उठी मांग

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

जिले के बड़नगर में मोहर्रम जुलूस के दौरान क्रेन से करीब 40 फीट ऊंचाई पर लटकाई गई वैन में हुए कथित विस्फोट का मामला अब मध्यप्रदेश हाईकोर्ट पहुंच गया है। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पूरे प्रदेश में चर्चा छिड़ गई थी। अब इस मामले में जनहित याचिका दायर कर राष्ट्रीय जांच एजेंसी या केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने की मांग की गई है। साथ ही भविष्य में धार्मिक जुलूसों के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया लागू करने की मांग भी उठाई गई है।

मोहर्रम जुलूस के दौरान हुए कथित विस्फोट मामले को लेकर हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक सुमित हार्डिया ने इंदौर स्थित मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की खंडपीठ में जनहित याचिका दायर की है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता जायेश गुरनानी ने अदालत में पक्ष रखते हुए मामले की स्वतंत्र, निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, 23-24 जून की दरम्यानी रात उज्जैन जिले के बड़नगर में मोहर्रम जुलूस निकाला जा रहा था। इसी दौरान एक वैन को क्रेन की मदद से करीब 40 फीट ऊंचाई पर लटकाया गया और उसमें विस्फोट किया गया। विस्फोट के बाद वैन के कांच और लोहे के टुकड़े नीचे मौजूद भीड़ की ओर गिरे, जहां बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला सुर्खियों में आ गया था।

3 आरोपी गिरफ्तार, एनएसए के तहत भी हुई कार्रवाई

घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू करते हुए शोएब, जाहिद और तपसील उर्फ तस्लीम को गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान मामले को गंभीर मानते हुए तीनों आरोपियों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (ठरअ) के तहत भी कार्रवाई की गई। बाद में उन्हें केंद्रीय जेल भेरूगढ़ भेज दिया गया।

एनआईए या सीबीआई से जांच कराने की मांग

याचिका में कहा गया है कि यदि यह मामला विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत अनुसूचित अपराध की श्रेणी में आता है तो इसकी जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी से कराई जानी चाहिए। वैकल्पिक रूप से मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (उइक) को सौंपने की भी मांग की गई है। याचिकाकर्ता का कहना है कि घटना की गंभीरता को देखते हुए निष्पक्ष जांच के लिए केंद्रीय एजेंसी की जरूरत है।

जनहित याचिका में केवल जांच की मांग ही नहीं की गई है, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए राज्य सरकार से धार्मिक जुलूसों के लिए विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने का आग्रह भी किया गया है। याचिका में सुरक्षा मानकों, अनुमति प्रक्रिया, जोखिम प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश तय करने की मांग की गई है।

मॉक ड्रिल' एंगल की भी जांच कराने की मांग- याचिकाकर्ता ने अदालत से यह भी आग्रह किया है कि जांच एजेंसियां यह पता लगाएं कि कहीं यह पूरा घटनाक्रम किसी कथित मॉक ड्रिल का हिस्सा तो नहीं था। उनका कहना है कि इस पहलू की भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि घटना से जुड़े सभी तथ्य सामने आ सकें।

स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए वैल्यू एडेड कोर्स का चयन अनिवार्य

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए वैल्यू एडेड कोर्स, संवैधानिक, मानवीय एवं नैतिक मूल्य तथा पर्यावरण शिक्षा एवं स्थिरता आधारित पाठ्यक्रमों का चयन अनिवार्य किया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी करीकुलम एण्ड क्रेडिट फ्रेमवर्क फॉर पोस्टग्रेजुएट प्रोग्राम्स, जून-2024 तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के नवीन अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार प्रत्येक स्नातकोत्तर विद्यार्थी को द्वितीय सेमेस्टर में 2 क्रेडिट पॉइंट का एक वैल्यू एडेड पाठ्यक्रम लेना होगा। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न विषय समूहों अंतर्गत पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें रोजगार एवं उद्यमिता कौशल, योग एवं ध्यान द्वारा तनाव प्रबंधन, पर्यावरण मनोविज्ञान, शोध लेखन कौशल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिजनेस एथिक्स, बिजनेस एनालिटिक्स, नवाचार एवं उद्यमिता जैसे विषय शामिल हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को विषय ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक कौशल, नैतिक मूल्यों, नवाचार क्षमता एवं रोजगारपरक दक्षताओं से जोड़ना है।

पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष की भी हुई घोषणा

युवा मोर्चा में भी हुआ अब लंबा इंतजार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

भारतीय जनता पार्टी ने अपने संगठनात्मक विस्तार को आगे बढ़ाते हुए पिछड़ा वर्ग मोर्चा के नगर अध्यक्ष पद पर निखिल सोनी की नियुक्ति की है।

संगठन में उनकी सक्रिय भूमिका को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि उनके नाम का प्रस्ताव प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने रखा था। इस नियुक्ति के बाद अब शहर भाजपा के अन्य मोर्चों के नगर अध्यक्षों की घोषणा को लेकर कार्यकर्ताओं और दावेदारों के बीच उत्सुकता बढ़ गई है। अब तक घोषित मोर्चा अध्यक्षों पर नजर डालें तो विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-1 को पिछड़ा वर्ग मोर्चा का प्रतिनिधित्व मिल चुका है। वहीं विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-2, जिसमें सांवेर विधानसभा का हिस्सा भी शामिल है, को अनुसूचित जाति मोर्चा का अध्यक्ष मिला है।

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-4 को अनुसूचित जनजाति मोर्चा की जिम्मेदारी सौंपी जा चुकी है। इन नियुक्तियों के बाद संगठन के भीतर क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन को लेकर चचाएं तेज हैं। अब सबसे अधिक निगाहें विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-3, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-5 और राऊ विधानसभा पर टिकी हुई हैं। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा जोरों पर है कि शेष मोर्चों के अध्यक्षों की नियुक्ति इन क्षेत्रों के संतुलन को ध्यान में रखकर की जा सकती है।

हालांकि, पार्टी की ओर से अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। संगठन से जुड़े सूत्रों और राजनीतिक चचाओं के अनुसार, महिला मोर्चा का नगर अध्यक्ष विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-3 से, अल्पसंख्यक मोर्चा का नगर अध्यक्ष विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-5 से तथा किसान मोर्चा का नगर अध्यक्ष राऊ विधानसभा क्षेत्र से बनाए जाने की संभावना जताई जा रही है। यदि ऐसा होता है तो सभी प्रमुख विधानसभा क्षेत्रों को संगठन में प्रतिनिधित्व मिलने का संदेश जाएगा।

सबसे सक्रिय और प्रभावशाली संगठनात्मक मोर्चा

इसी बीच सबसे अधिक चर्चा भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के नगर अध्यक्ष पद को लेकर भी हो रही है। कार्यकर्ताओंऔर नेताओं की निगाहें अब इस बात पर टिकी हैं कि संगठन युवा मोर्चा की कमान किस विधानसभा क्षेत्र के युवा चेहरे को सौंपता है। युवा मोर्चा भाजपा का सबसे सक्रिय और प्रभावशाली संगठनात्मक मोर्चा माना जाता है, इसलिए इसके अध्यक्ष की नियुक्ति को राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भाजपा में मोर्चों के माध्यम से सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन साधने की परंपरा रही है।

खाद्य नमूने लेकर एक्सपायरी डेट के उत्पाद को करवाया नष्ट

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

कलेक्टर शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा आज एसडीपीएस इंटरनेशनल स्कूल खंडवा रोड का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय के किचन एवं भंडार कक्ष का विस्तृत परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बनी हुई गिलकी की सब्जी, पोहा, मिक्स्ड फ्रूट जैम, मिर्च पाउडर, नमक एवं घी के कुल 06 नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के अंतर्गत जांच हेतु लेकर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए हैं। जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने पर नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान किचन परिसर में पेस्ट कंट्रोल व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाई गई तथा पेयजल की जांच रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराई गई। इसके अतिरिक्त किचन में जंग लगे हुए चाकू एवं चॉपिंग बोर्ड पाए गए, जिन्हें तत्काल हटवाया गया। कुछ खाद्य सामग्रियों के भंडारण में प्रणाली का पालन भी नहीं किया जा रहा था। विद्यालय प्रबंधन को खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता संबंधी सभी प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने तथा पाई गई कमियों का शीघ्र निराकरण करने के सख्त निर्देश दिए गए। इसी क्रम में शिकायतकर्ता प्रतीक जड़िया द्वारा दर्ज शिकायत के संबंध में खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रभुलाल डोडियार द्वारा शिकायतकर्ता से दूरभाष पर जानकारी प्राप्त की गई।

दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर को मिलेगी मजबूती

सिंहस्थ-2028 से पहले बनेगा उज्जैन-झालावाड़ मेगा फोरलेन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सिंहस्थ-2028 से पहले मालवा और हाड़ौती की सड़क कनेक्टिविटी को नई गति मिलने जा रही है। उज्जैन से राजस्थान के झालावाड़ तक बनने वाले 160 किलोमीटर लंबे मेगा फोरलेन प्रोजेक्ट के टेंडर को केंद्र सरकार से मंजूरी मिल गई है। अब शीघ्र ही वर्क आर्डर जारी कर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। इसकी पुष्टि उज्जैन सांसद अनिल फिरोजिया ने की है।

करीब 2721 करोड़ 72 लाख रुपये की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पूरा होने से उज्जैन, आगर, सुसनेर और झालावाड़ के बीच यात्रा न केवल तेज और सुरक्षित होगी, बल्कि मध्यप्रदेश और राजस्थान के बीच व्यापार, धार्मिक पर्यटन और औद्योगिक गतिविधियों को भी नई रफ्तार मिलेगी। सिंहस्थ-2028 के दौरान राजस्थान और हाड़ौती क्षेत्र से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए यह मार्ग प्रमुख प्रवेश द्वार साबित होगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने परियोजना को दो पैकेजों में तैयार किया है। पहले पैकेज में खिलचीपुरा गांव से आकली-काड़िया तक 86.5 किलोमीटर सड़क का फोरलेन निर्माण किया जाएगा, जिसकी लागत 1462 करोड़ 19 लाख रुपये है। दूसरे पैकेज में आकली-काड़िया से राजस्थान के झालावाड़ स्थित एनएच-52 जंक्शन तक 72.763 किलोमीटर सड़क का चौड़ीकरण किया जाएगा।

छह फ्लाइओवर और 115 अंडरपास बनेंगे

एनएचएआई की योजना के अनुसार पूरे कॉरिडोर पर छह फ्लाइओवर, कई बड़े पुल और 115 व्हीकल अंडरपास बनाए जाएंगे। आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज के सामने भी फ्लाइओवर प्रस्तावित है। सुरक्षित कट पाइंट और अंडरपास बनने से दुर्घटनाओं में कमी आने की उम्मीद है। वर्तमान में यह मार्ग कई स्थानों पर संकरा और हादसों की दृष्टि से संवेदनशील माना जाता है।

शिक्षकों का अटैचमेंट खत्म, मूल स्कूलों में लौटने के आदेश

मानसून सत्र से पहले सरकार का बड़ा फैसला, 16 जिलों के 216 शिक्षकों का अटैचमेंट खत्म

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

वर्षों से विधायक, कलेक्टर, एसडीएम और मंत्रालय के दफ्तरों में बाबू, निजी सहायक (पीए) और लिपिकीय काम कर रहे सरकारी शिक्षक अब फिर स्कूलों में पढ़ाते नजर आएंगे। विधानसभा के मानसून सत्र से पहले स्कूल शिक्षा विभाग नै 16 जिलों में अटैच 216 शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति (अटैचमेंट) समाप्त कर उन्हें मूल विद्यालयों में तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के - निर्देश जारी कर दिए हैं। यह कार्रवाई पिछले विधानसभा सत्र में उठे सवाल के बाद हुई विभागीय समीक्षा के आधार पर की गई है।

लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी शिक्षक को स्कूलों से बाहर गैर-शैक्षणिक कार्यों में नहीं रखा जाए, ताकि स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर हो सके। समीक्षा में सामने आया कि कई शिक्षक वर्षों से विधायक कार्यालयों में पीए, कलेक्टर कार्यालय, जिला पंचायत, एसडीएम कार्यालय, जिला निर्वाचन कार्यालय, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय और अन्य प्रशासनिक कार्यालयों में तैनात थे। इनमें कुछ शिक्षक तो एक दशक से अधिक समय से स्कूल नहीं लौटे थे। भोपाल में ही दो शिक्षक लंबे समय से मंत्रालय में अटैच मिले, जबकि कई शिक्षक विधायक कार्यालयों और अन्य प्रशासनिक संस्थानों में कार्यरत थे।

विधानसभा के सवाल का असर

पिछले विधानसभा सत्र में यह मुद्दा प्रमुखता से उठा था कि सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी है, लेकिन बड़ी संख्या में शिक्षक कार्यालयों में अटैच होकर प्रशासनिक काम कर रहे हैं। इसके बाद विभाग ने सभी जिलों से जानकारी मांगी और समीक्षा के बाद अटैचमेंट समाप्त करने का निर्णय लिया। सरकार के इस फैसले से एक ओर स्कूलों में शिक्षकों की उपलब्धता बढ़ेगी, वहीं दूसरी ओर उन कार्यालयों में कामकाज प्रभावित होने की आशंका है, जहां वर्षों से शिक्षक प्रशासनिक जिम्मेदारियां संभाल रहे थे। ऐसे में विभागों को अब वैकल्पिक कर्मचारियों की व्यवस्था करनी होगी। यह कार्रवाई फिलहाल 16 जिलों तक सीमित है। सवाल यह है कि क्या प्रदेश के बाकी जिलों में भी ऐसे शिक्षकों की पहचान कर उन्हें स्कूलों में वापस भेजा जाएगा, या फिर यह अभियान यहीं तक सीमित रहेगा।

उज्जैन से संतों की एकता का बड़ा संदेश!

निमोहीं अखाड़ा बोला- अखाड़ा परिषद के साथ ही होगा कुंभ

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद को लेकर चल रहे भ्रम और दुष्प्रचार के बीच उज्जैन से संत समाज की एकजुटता का बड़ा संदेश सामने आया है। श्री पंच निमोहीं अखाड़े में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि निमोहीं अखाड़ा मौजूदा अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के साथ रहेगा और नासिक, हरिद्वार, उज्जैन तथा प्रयागराज के आगामी सभी कुंभ मेले परिषद के नेतृत्व में ही संपन्न होंगे। बैठक में देशभर के 13 अखाड़ों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और सनातन परंपरा की एकता पर जोर दिया।

निमोहीं अखाड़े में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं निरंजनी अखाड़े के सचिव महंत रविंद्र पुरी महाराज ने की। बैठक की शुरूआत निमोहीं अखाड़े के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत मदन मोहन दास महाराज ने परिषद के अध्यक्ष और उपस्थित संतों के स्वागत से की।

बैठक में महंत मदन मोहन दास महाराज, भगवान दास महाराज, सीताराम दास महाराज सहित निमोहीं अखाड़े के सभी पंच उपस्थित रहे। इसके अलावा आनंद अखाड़े के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं परिषद के कोषाध्यक्ष महंत शंकरानंद सरस्वती महाराज, जूना अखाड़े के राष्ट्रीय सचिव महंत रामेश्वर गिरी महाराज, बड़ा उदासीन अखाड़े के प्रतिनिधि रघु मुनि महाराज सहित सभी 13 अखाड़ों के प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया। बैठक के बाद महंत रविंद्र पुरी महाराज ने कहा कि महंत मदन मोहन दास महाराज के निमंत्रण पर शैव, वैष्णव, निर्मल और उदासीन परंपरा के संत-महंत एकत्र हुए। आपसी चर्चा के बाद सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि नासिक, हरिद्वार, उज्जैन और प्रयागराज के आगामी सभी कुंभ मेले मौजूदा अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के नेतृत्व में ही आयोजित किए जाएंगे।

निमोहीं अखाड़े ने परिषद को दिया पूर्ण समर्थन

निमोहीं अखाड़े के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत मदन मोहन दास महाराज ने कहा कि देश में साधु-संतों की सर्वोच्च संस्था अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ही है। उन्होंने कहा कि परिषद का नेतृत्व महंत रविंद्र पुरी महाराज और जूना अखाड़े के महामंत्री हरि गिरि महाराज कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि निमोहीं अखाड़े के लाखों साधु-संत और नागा इसी परिषद के साथ हैं और आगामी कुंभ स्नान में भी परिषद के नेतृत्व में शामिल होंगे। बैठक में हरिद्वार में अखाड़ा परिषद को लेकर किए जा रहे दुष्प्रचार पर भी चर्चा हुई। महंत रविंद्र पुरी महाराज ने कहा कि कुछ लोग स्वयंभू अध्यक्ष बनकर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि मौजूदा अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद पूर्ववत अपने दायित्वों का निर्वहन करती रहेगी।

पहले हुआ संतों का मिलन, फिर कुंभ पर मंथन

सनातन धर्म की एकता का संदेश देते हुए उज्जैन में शैव और वैष्णव परंपरा के संत एक मंच पर आए। श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी और निमोहीं अखाड़े में आयोजित इस मिलन समारोह में आगामी कुंभ मेलों की तैयारियों और संत समाज की एकजुटता पर विस्तृत चर्चा की गई। परिषद के प्रवक्ता डॉ. गोविंद सोलंकी ने बताया कि अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत डॉ. रविंद्र पुरी महाराज की उपस्थिति में आयोजित इस समारोह में निमोहीं अखाड़े के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत मदन मोहन दास महाराज का भव्य स्वागत किया गया।

समय सीमा में कार्य नहीं होने पर ब्रिज निर्माण एजेंसी पर लगेगी पेनल्टी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

कलेक्टर शिवम वर्मा ने आज रिंग रोड स्थित मुसाखेडी चौराहा, आईटी पार्क और देवास नाका ओव्हरब्रिज का निमार्णाधीन स्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर श्री वर्मा के साथ नगर निगमायुक्त क्षितिज सिंघल, अनुविभागीय अधिकारी घनश्याम धनगर, एमपीआरडीसी ब्रिज सेल के प्रबन्धक एवं संबंधित अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्री वर्मा ने तीनों निमार्णाधीन ब्रिज के निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों से प्राप्त की। कलेक्टर श्री वर्मा ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को ब्रिज निर्माण कार्य में और अधिक गति लाने तथा निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तीनों ओव्हरब्रिज क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के साथ-साथ आम नागरिकों को आवागमन में बड़ी राहत प्रदान करेगें। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि बारिश की वजह से निर्माण स्थल के आसपास जल भराव और यातायात जाम की स्थिति निर्मित नहीं हो। साथ ही पैदल चलने वालों के लिए सुविधाजनक पैसेज बनाये जाए।

महासमाधि की स्थिति

चीन में एक जेन गुरु थे। वह बहुत अच्छे चित्रकार भी थे। यह सुनकर सम्राट ने उन्हें अपने महल में बुलवाया और उनसे निवेदन किया, मैं चाहता हूं कि आपके बनाए चित्र मेरे महल को सजाएं।

जेन गुरु ने कहा- मुझे एक अलग कमरा चाहिए।

सभी सुविधाओं से पूर्ण महल का एक सुंदर कमरा उन्हें दिया गया। करीब एक महीने बीतने के बाद सम्राट में उत्सुकता बढ़ी। वह यह देखने के लिए कि चित्र कहां तक बना है, उस कक्ष में पहुंचे। जेन गुरु ने एक छोटी लकीर तक नहीं खींची थी। उन्होंने कहा, तीन वर्ष तक मुझे परेशान किए बिना अकेले छोड़ दो। सम्राट ने लाचार होकर मान लिया। तीन वर्ष पूरे होने का दिन आया, तो बड़ी उत्सुकता के साथ सम्राट ने गुरु के कमरे में प्रवेश किया। गुरु ने मोटी-मोटी लकीरों से एक रास्ते का चित्र बनाया था। सम्राट को बड़ी निराशा हुई। उसका सब्र जवाब दे गया। उसने पूछा, कोई रास्ता भी बनाया आपने, तो उसे किसी महल, मंदिर या बाग में पहुंचना चाहिए था। चित्र को उस रूप में पूरा किया गया होता, तो सुंदर रहता न? समझ में ही नहीं आ रहा है कि यह पथ कहां जाता है? जेन गुरु मुस्कराए। उस पथ पर दाखिल होकर ओझल हो गए। लौटकर आए नहीं।

इस तरह, विश्व के साथ जीव का एकाकार होकर मिलना ही समाधि की स्थिति है। ज्ञानमार्ग में यात्रा करने वाला हर व्यक्ति जहां पहुंचना चाहता है, वह लक्ष्य है, समाधि की स्थिति। बहुत पुराना एक दृष्टांत इसे समझा देगा। उड़ने वाला एक बुलबुला अपने एक खास रूप में अपने व्यक्तित्व के साथ उड़ रहा है। कुछ समय बाद फूट गया, लेकिन उतनी देर तक उसके अंदर जो वायु थी, वह अब कहां है? उसे अलग से दिखाया नहीं जा सकता। शरीर रूपी यंत्र के अंदर तालाबंद जीव की स्थिति भी वही है। उसे छुड़ाकर सृष्टि के साथ एकाकार रूप से मिलाने की उन्नत स्थिति को प्राप्त करना ही समाधि-स्थिति है। ऐसा विचार उठ सकता है कि इसके लिए इतनी सारी साधना-अभ्यास करने की क्या जरूरत है। गर्दन काट लें, तो बात बन जाएगी न? यह सच है कि शरीर को ध्वस्त करें, तो वह जीव को ढोने की क्षमता को गंवा देगा और प्राण निकल जाएंगे, लेकिन यह समाधि की स्थिति नहीं है, आत्महत्या है। तो समाधि की स्थिति किसे कहते हैं? शरीर को जरा भी क्षति पहुंचाए बिना, जैसे घर से बाहर कदम उठाकर रखते हैं, उसी तरह बाहर छोड़ने वाली सांस के साथ प्राण भी शरीर को तजकर शून्य के साथ एकाकार हो जाए, तो यह स्थिति ही महासमाधि है। इसे अपने मनचाहे क्षण में रच लेते हैं महापुरुष। वैसे मुक्ति, मोक्ष, निर्वाण आदि इस अवस्था को बताने के लिए कई आकर्षक शब्द हैं।

सम्पादकीय

युद्ध को विराम नहीं

यह बहुत पीड़ा, चिंता और शर्म की बात है कि पश्चिम एशिया में फिर युद्ध छिड़ गया है। ईरान की ओर से किसी बड़े नेता का बयान नहीं आया है, पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमले का एलान करते हुए बता दिया है कि ईरान के साथ युद्ध-विराम खत्म हो चुका है। उन्होंने तुर्किये में नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान कहा है कि मैं अब ईरान से कोई बातचीत नहीं करना चाहता। उससे बातचीत जारी रखना समय की बर्बादी है। ट्रंप ने ईरान के लिए ऐसे-ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया है, जिन्हें लिखना सभ्य राजनय के अनुकूल नहीं है। अभी कुछ ही दिनों पहले वह युद्ध-विराम की घोषणा करते हुए प्रसन्न थे, पर अब उनकी तल्खी सबको चौंका रही है। अफसोस, अपने मिजाज के मुताबिक ही उन्होंने पल में तोला, पल में माशा के मुहावरे को चरितार्थ कर दिया है। उनकी आक्रामक मुद्रा से लग रहा है कि वह आर-पार का युद्ध लड़ने के इच्छुक हैं। ईरान युद्ध से अब तक उन्हें निंदा ही हासिल हुई है और ईरान में भी उनसे उम्मीद लगाने वाले लोग जान हथेली पर लिए बैठे हैं।

बहरहाल, यह जानना बहुत मुश्किल है कि युद्ध-विराम के टूटने के लिए कौन जिम्मेदार है? दोनों देश एक-दूसरे को दोषी ठहरा रहे हैं। अगर ईरान ने होर्मुज समुद्री मार्ग से गुजरते किसी जहाज को निशाना बनाया है, तो यह वास्तव में मानवता विरोधी हरकत है। युद्ध-विराम और समझौते के लिए हो रही वार्ता को जारी रखना आसान नहीं होता। इसके लिए बहुत सब्र की जरूरत होती है। यह संयम शायद ईरान में नहीं है। ईरान के सर्वोच्च नेता रहे खामेनेई को अंतिम विदाई दे रहे देश में जैसा अमेरिका या ट्रंप विरोध दिखा है, उसकी तारीफ नहीं हो सकती। वहां लोग खुलेआम बदला लेने का आह्वान कर रहे हैं और इस पर ईरानी प्रशासन के पास एक लफ्ज नहीं है। क्या समझौते के लिए बातचीत और शत्रुता साथ-साथ चल सकती है? ट्रंप के ताजा उद्गार में यह चिंता साफ झलक रही है, पर ईरान पर हुए हमले की सिर्फ निंदा ही संभव है। खामेनेई गुरुवार को सुपुर्द-खाक होंगे, तो क्या ईरान अपनी ओर से कुछ सब्र नहीं बरत सकता था? ट्रंप अब बोल रहे हैं कि ईरान के जिस शासन ने 54 हजार से ज्यादा अपने ही लोगों को मारा है, उसे छोड़ा नहीं जाएगा। क्या वाकई ट्रंप इस लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाएंगे? यहां यह कहना ही चाहिए कि अमेरिका द्वारा की गई आधी-अधूरी लड़ाइयों ने पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, इराक और फलस्तीन में मानव जीवन को नारकीय बना रखा है। गजब त्रासदी है, अमेरिका आतंकवाद को समाप्त करना चाहता है, लेकिन इन दिनों पाकिस्तान उसका सबसे बड़ा मध्यस्थ है।

वैवाहिक रिश्तों पर शंका का बादल

षड्यंत्र रचकर पतियों की हत्या के बढ़ते मामले

भारत में विवाह को केवल एक सामाजिक अनुबंध नहीं बल्कि विश्वास, समर्पण, सहयोग और आजीवन साथ निभाने का पवित्र बंधन माना गया है। भारतीय संस्कृति में पति और पत्नी को एक दूसरे का पूरक समझा गया है, जो जीवन की हर परिस्थिति में एक दूसरे का साथ निभाते हैं। यही कारण है कि विवाह संस्था सदियों से भारतीय समाज की सबसे मजबूत नींव रही है। किंतु बदलते समय में अनेक ऐसे घटनाक्रम सामने आ रहे हैं जिन्होंने इस विश्वास को गहरी चोट पहुँचाई है। हाल के वर्षों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं जिनमें पत्नियों पर अपने ही पतियों की हत्या का आरोप लगा। इन घटनाओं ने समाज को झकझोर दिया है और लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर रिश्तों में ऐसा कौन सा परिवर्तन आ गया है कि जीवनसाथी ही जीवन का सबसे बड़ा शत्रु बनता जा रहा है।

महेन्द्र तिवारी
(दैनिक अवन्तिका)

इस विषय पर चर्चा करते समय तथ्यों की शुद्धता अत्यंत आवश्यक है। उपलब्ध आधिकारिक जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो पति की हत्या पत्नी द्वारा किए जाने की अलग राष्ट्रीय श्रेणी प्रकाशित नहीं करता। इसलिए पूरे देश के लिए कोई आधिकारिक संख्या उपलब्ध नहीं है। कुछ स्वतंत्र अध्ययनों और पाँच राज्यों के संकलित मामलों के आधार पर वर्ष 2020 से 2024 के बीच लगभग 785 ऐसे मामले सामने आने का उल्लेख किया गया है, जबकि विशेषज्ञों का अनुमान है कि राष्ट्रीय स्तर पर वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है। इन अनुमानों को अंतिम या आधिकारिक आँकड़ा नहीं माना जा सकता, लेकिन इतना अवश्य स्पष्ट है कि ऐसी घटनाएँ समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी हैं।

इन घटनाओं का सबसे बड़ा प्रभाव विवाह जैसी पवित्र संस्था पर पड़ता है। विवाह का आधार विश्वास होता है। यदि पति और पत्नी के बीच विश्वास समाप्त हो जाए तो केवल एक परिवार ही नहीं टूटता बल्कि समाज की मूल संरचना भी कमजोर होने लगती है। जब लोग यह सुनते हैं कि किसी पत्नी ने अपने पति की हत्या कर दी या किसी पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी, तो उनके मन में विवाह के प्रति भय और असुरक्षा की भावना उत्पन्न होती है। युवा पीढ़ी के सामने विवाह का आदर्श स्वरूप धुंधला पड़ने लगता है और यह धारणा बनने लगती है कि वैवाहिक जीवन अब पहले जैसा सुरक्षित और स्थिर नहीं रहा। अधिकांश मामलों का अध्ययन बताता है कि ऐसे अपराध किसी एक कारण से नहीं होते। कई मामलों में विवाहेतर संबंध, पारिवारिक विवाद, आर्थिक तनाव, संपत्ति का विवाद, लंबे समय से चला आ रहा वैवाहिक तनाव, आपसी अविश्वास और प्रतिशोध जैसी परिस्थितियाँ सामने आती हैं। राष्ट्रीय स्तर पर हत्या के मामलों के उद्देश्यों में भी पारिवारिक विवाद, व्यक्तिगत दुश्मनी, प्रेम संबंध और अवैध संबंध महत्वपूर्ण कारणों में शामिल पाए गए हैं। इससे स्पष्ट होता है कि परिवार के भीतर पैदा होने वाले विवाद यदि समय रहते नहीं सुलझाए जाएँ तो वे कभी-कभी अत्यंत हिंसक रूप धारण कर सकते हैं।

यह भी समझना आवश्यक है कि हर वैवाहिक विवाद हत्या में परिवर्तित नहीं होता। अधिकांश परिवार कठिन परिस्थितियों के बावजूद बातचीत, समझौते, पारिवारिक सहयोग और कानूनी उपायों के माध्यम से अपने मतभेद सुलझा लेते हैं। इसलिए कुछ जघन्य घटनाओं के आधार पर पूरे समाज या किसी एक लिंग के प्रति नकारात्मक धारणा बनाना उचित नहीं होगा। अपराधी का मूल्यांकन उसके अपराध के आधार पर होना चाहिए, उसके लिंग के आधार पर नहीं।

इन घटनाओं का सबसे अधिक दुष्प्रभाव बच्चों पर पड़ता है। जब किसी परिवार में एक अभिभावक की हत्या हो जाती है और दूसरा जेल चला जाता है, तब बच्चे एक साथ माता और पिता दोनों का सहारा खो देते हैं। उनके सामने आर्थिक, सामाजिक और मानसिक संकट खड़ा हो जाता है। वे लंबे समय तक भय, अवसाद, असुरक्षा और सामाजिक उपेक्षा का सामना करते हैं। अनेक मनोवैज्ञानिक अध्ययन बताते हैं कि बचपन में इस प्रकार का आघात व्यक्ति के संपूर्ण व्यक्तित्व को प्रभावित कर सकता है। ऐसे बच्चे पढ़ाई, सामाजिक संबंधों और मानसिक स्वास्थ्य में गंभीर कठिनाइयों का सामना कर सकते हैं।

समाज के स्तर पर भी इन घटनाओं के दूरगामी परिणाम दिखाई देते हैं। जब परिवारों के भीतर हिंसा बढ़ती है तो सामाजिक विश्वास कमजोर होता है। पड़ोसी, रिश्तेदार और मित्र भी वैवाहिक संबंधों को संदेह की दृष्टि से देखने लगते हैं। समाज में अविश्वास का वातावरण बनने लगता है। यह स्थिति केवल पति पत्नी तक सीमित नहीं रहती बल्कि अगली पीढ़ी तक पहुँचती है। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि वे हिंसा, धोखे और प्रतिशोध को सामान्य व्यवहार के रूप में देखने लगेंगे तो समाज में संवेदनशीलता और सहिष्णुता का स्तर लगातार घटेगा। आज का डिजिटल युग भी रिश्तों को नई चुनौतियाँ दे रहा है। सोशल मीडिया ने लोगों को अभूतपूर्व संवाद के अवसर दिए हैं, लेकिन इसके साथ ही कई नई समस्याएँ भी उत्पन्न हुई हैं। कभी-कभी आभासी संबंध वास्तविक संबंधों पर भारी पड़ने लगते हैं। पति पत्नी के बीच संवाद कम होता जाता है और गलतफहमियाँ बढ़ती जाती हैं। कई बार छोटी बातों को समय रहते सुलझाया नहीं जाता, जिससे तनाव गहराता जाता है। यह कहना उचित नहीं होगा कि केवल सोशल मीडिया ही अपराधों का कारण है, लेकिन यह स्वीकार करना होगा कि यदि इसका उपयोग संयम और जिम्मेदारी से न किया जाए तो यह पारिवारिक संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

भौतिकवादी जीवनशैली भी एक महत्वपूर्ण चुनौती बनकर उभरी है। आज सफलता और आर्थिक उपलब्धि को जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य माना जाने लगा है। व्यस्त जीवन के कारण परिवार के सदस्यों के पास एक दूसरे के लिए समय कम होता जा रहा है। संवाद की कमी धीरे-धीरे भावनात्मक दूरी में बदल जाती है। जब मन की बातें साझा नहीं होतीं, तब संदेह, क्रोध और असंतोष जन्म लेते हैं। यदि इनका समाधान समय रहते न किया जाए तो वे गंभीर विवाद का रूप ले सकते हैं।

यह भी ध्यान रखना चाहिए कि भारत में घरेलू हिंसा और वैवाहिक अपराधों के शिकार पुरुष और महिलाएँ दोनों होते हैं। महिलाओं के विरुद्ध घरेलू हिंसा, दहेज मृत्यु और क्रूरता के मामले भी बड़ी संख्या में दर्ज होते हैं। इसलिए समाधान किसी एक पक्ष को दोषी ठहराने में नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज में स्वस्थ संबंधों की संस्कृति विकसित करने में है।

जुगाड़ के अस्तबल में रेशमी गधे

वह जो नुक्कड़ वाले शर्मा जी हैं न, उनके चेहरे पर कल सुबह से एक अजीब सी रूहानी चमक तैर रही है। कल ही उनके सुपुत्र को शहर के सबसे नामी कॉलेज में 'सहानुभूति कोटे' से दाखिला मिला है। दाखिला तो खैर क्या मिला, विधाता ने उनकी सात पीढ़ियों के पाप एक झटके में धो दिए। शर्मा जी लाठी टेककर गली-गली इस तरह इठलाते घूम रहे हैं जैसे उन्होंने मुगल सल्तनत का आखिरी किला फतह कर लिया हो। उनका सीना छप्पन इंच से बढ़कर सीधे कुतुब मीनार की ऊंचाई को छूने लगा है। समाज का दस्तूर भी बड़ा कातिल है हुजूर, जब तक जेब में सिक्का खनकता नहीं, तब तक लोग आपकी खंकार को भी बदतमीजी मान लेते हैं। मगर आज वही शर्मा जी जब सरेराह पान की पीक थूकते हैं, तो मोहल्ले के बुद्धिजीवी उसमें भी कलात्मकता और आधुनिक विद्रोही चेतना की तलाश करने लगते हैं। यह नए जमाने का नया शास्त्र है, जहां असफलता को यदि चाशनी में डुबोकर बेचा जाए, तो लोग उसे ईश्वरीय प्रसाद मानकर माथे से लगा लेते हैं।

हमारे देश में तरक्की का पैमाना अब अक्ल से नहीं, बल्कि इस बात से तय होता है कि आप अपनी बेअक्ली को कितने ऊंचे सुर में गा सकते हैं। जिस लड़के ने जीवन भर सिर्फ मोबाइल की स्क्रीन पर अंगूठे घिसे हों, वह अचानक ज्ञान का ऐसा कल्पवृक्ष बन जाता है कि बड़े-बड़े धुरंधर उसके सामने पानी भरने लगते हैं। डिग्रियों के इस थोक बाजार में मेधावी बच्चे दीवारों पर सिर पटक रहे हैं और जुगाड़ू लोग मलाई काट रहे हैं। कुम्हार का गधा भी अगर रेशमी झूल ओढ़ ले, तो लोग उसे अस्तबल का सबसे शरीफ घोड़ा मानने को मजबूर हो जाते हैं। व्यवस्था की मेज पर बैठे हुक्मरान ऐसी फाइलें तैयार करते हैं जिनमें भुखमरी का इलाज केवल विज्ञापनों की रंगीन तस्वीरों में ढूंढ लिया जाता है। असलियत यह है कि जब तक आम आदमी की रीढ़ की हड्डी को तोड़कर उसे सीधा खड़ा होने का हुनर सिखाया जाएगा, तब तक ऐसी ही चमत्कारिक सफलताएं चौराहों पर नाचती रहेंगी।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 10 जुलाई 2026 शुक्रवार
सूर्योदय - 05:42 सूर्यास्त 19:12
आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष
राहुकाल - 10:30 से 12:00 तक
तिथि - दसमी 08:17 उपरांत एकादशी 05:22 उपरांत द्वादशी
नक्षत्र - भरणी 13:14 उपरांत कृतिका
योग - धृति 07:15 शूल 03:50 उपरांत गण्ड
करण - विष्टि
चन्द्रमा - मेष में है। 18:45 पर वृषभ में प्रवेश करेगा।
मुस्लिम मास - मोहर्रम मास 24 तारिख

मेष- प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। धनार्जन होगा।

वृषभ- स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। प्रमाद न करें। व्यापार-व्यवसाय में इच्छित लाभ की संभावना है।

मिथुन- रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कर्क- आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकारी वर्ग से सहयोग मिलेगा। प्रचार-प्रसार से दूर रहें।

सिंह- मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या- धनार्जन होगा। आज विशेष लाभ होने की संभावना है। सगे-संबंधी मिलेंगे।

तुला- बुद्धि एवं मनोबल से सुख-संपन्नता बढ़ेगी। व्यापार में कार्य का विस्तार होगा। शत्रु शांत रहेंगे।

वृश्चिक- वाणी पर नियंत्रण रखें। अप्रत्याशित बड़े खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है, जोखिम न लें।

धनु- अजनबी व्यक्ति पर विश्वास न करें। उदर विकार के योग के कारण खान-पान पर संयम रखें।

मकर- नए अनुबंधों का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। पूछ-परख रहेगी। रुके कार्य बनेंगे। जोखिम न लें।

कुंभ- वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों की जमानत न लें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

मीन- जीवन में तनाव हो सकता है। व्यापार में नई योजनाओं से लाभ के योग हैं। स्थायी संपत्ति क्रय करने के योग बनेंगे।

समसामयिक

इतिहास का धुरंधर मेक अप

धुरंधर-2 पर लिख तो उसी दिन दिया था, लेकिन लगा कि अब देर हो चुकी है। फिर सोचा, फिल्में भले ही सिनेमाघरों से उतर जाएँ, उनके बहाने गढ़े गए नैरेटिव लंबे समय तक जीवित रहते हैं। इसलिए यह टिप्पणी। फिल्म देखते हुए मेरे साथ एक दुर्लभ घटना घटी। मैं सो गया। आँख तब खुली जब पूरा हॉल तालियों से गूँज रहा था। पर्दे पर संजू बाबा बेधड़क गालियाँ उछाल रहे थे और परिवार सहित दर्शक उनका भरपूर आनंद ले रहे थे। उसी क्षण पहली बार मुझे प्रधानमंत्री का यह कथन सही लगता दिखा कि भारत बदल रहा है। सचमुच बदल गया है। अब पारिवारिक मनोरंजन की परिभाषा में गालियाँ भी उतनी ही सहज हैं, जितनी चाय और पॉपकॉर्न।

कमलेश कंवल
(दैनिक अवन्तिका)

लेकिन एक प्रश्न है। क्या यही उदारता उन फिल्मों को भी मिलेगी, जिनकी वैचारिक दिशा सत्ता की सुविधा के अनुरूप न हो? क्या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का पैमाना सबके लिए एक होगा? उत्तर शायद किसी के पास नहीं, या शायद सबके पास है।

फिल्म की शुरूआत में एक दृश्य है-टीवी को एक थप्पड़ पड़ता है और वह चल पड़ता है। हमारी पीढ़ी मुस्कुरा उठती है। हमने वह समय देखा है जब एंटीना सीधा करने में पूरा परिवार लग जाता था। तब सिग्नल पकड़ना कठिन था, आज नैरेटिव पकड़ाना आसान है। यहीं से फिल्म धीरे-धीरे मनोरंजन से अधिक विचार-निर्माण का औजार बनती दिखाई देती है। निर्देशक कुछ घटनाओं को इतनी प्रमुखता देता है कि लगता है मानो इतिहास का पूरा भार उन्हीं पर टिका हो, जबकि कई आवश्यक संदर्भ बड़ी सुविधा से गायब कर दिए जाते हैं।

अतीक अहमद का प्रसंग इसका उदाहरण है। उसकी प्रस्तुति इस तरह की गई है कि दर्शक एक निश्चित निष्कर्ष तक पहुँच जाए। लेकिन यह नहीं बताया जाता कि उसका राजनीतिक जीवन कई दलों और कई दौरों से होकर गुजरा। इतिहास की यह जटिलता पटकथा में जगह नहीं पाती। जब इतिहास का केवल सुविधाजनक हिस्सा चुना जाए, तो वह इतिहास कम और नैरेटिव अधिक बन जाता है। फिल्म जिन वर्षों की घटनाएँ दिखाती है, वे भी प्रश्न खड़े करती हैं। उस समय उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था किस सरकार के अधीन थी? यदि अपराधों का राजनीतिक अर्थ निकाला जा रहा है, तो प्रशासनिक उत्तरदायित्व का उल्लेख क्यों नहीं? इतिहास को आधा पढ़ने से आधा ही सच मिलता है।पंजाब से जुड़े प्रसंगों में भी यही चयन दिखाई देता है। घटनाएँ दिखाई जाती हैं, लेकिन उनका राजनीतिक और प्रशासनिक संदर्भ नहीं। दर्शक को तथ्य कम, संकेत अधिक दिए जाते हैं। संकेतों की यही राजनीति आज के सिनेमा का सबसे प्रभावी हथियार बनती जा रही है।

रहमान डकैत, अरशद पप्पू, एस.पी. असलम, हमजा उर्फ. मोहित शर्मा, रॉ से जुड़े प्रसंग-फिल्म इन सबका उपयोग करती है। अधिकांश घटनाएँ उस समय की हैं जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी। लेकिन सिनेमाघर से बाहर निकलते समय दर्शक केवल कांग्रेस को कोसते दिखाई देते हैं। यह फिल्म की सफलता है या पटकथा की वैचारिक चतुराई-निर्णय पाठक स्वयं करे। सिनेमा को कल्पना का अधिकार है, इतिहास बदलने का नहीं। यदि फिल्म वास्तविक घटनाओं का सहारा लेती है, तो उससे यह अपेक्षा भी की जाएगी कि वह संदर्भों के साथ न्याय करे। केवल चुनिंदा तथ्यों के सहारे दर्शक की राजनीतिक स्मृति गढ़ना कला नहीं, वैचारिक संपादन है। हरिशंकर परसाई ने वर्षों पहले लिखा था-यह विकलांग श्रद्धा का दौर है। समय बदला है, माध्यम बदले हैं, लेकिन यह वाक्य आज भी उतना ही प्रासंगिक लगता है। फिल्में अब केवल मनोरंजन नहीं करतीं, वे स्मृतियों की एडिटिंग भी करती हैं। पर्दे पर कहानी चलती है, और हॉल से बाहर निकलते-निकलते इतिहास का नया संस्करण दर्शकों के मन में इंस्टॉल हो चुका होता है।

चलते समय घुटनों से आती है कट-कट की आवाज

घुटनों में दर्द चलने में तकलीफ सुबह उठते समय अकड़न या चलते समय कट कट की आवाज आना आजकल केवल बढ़ती उम्र की समस्या नहीं रह गई है। बदलती जीवनशैली बढ़ता वजन लंबे समय तक बैठे रहने की आदत और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण कम उम्र के लोग भी जोड़ों की परेशानियों का सामना कर रहे हैं। यदि आपको भी लंबे समय से घुटनों में दर्द या जकड़न महसूस हो रही है तो इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज न करें क्योंकि यह जोड़ों की चिकनाई कम होने का संकेत हो सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार हमारे शरीर के प्रत्येक जोड़ के बीच एक विशेष प्रकार का द्रव मौजूद होता है जिसे सिनोवियल फ्लूइड कहा जाता है। यह द्रव जोड़ों को आसानी से हिलने डुलने में मदद करता है और हड्डियों को आपस में रगड़ खाने से बचाता है। जब किसी कारण से इस द्रव की मात्रा कम होने लगती है या जोड़ों की कार्टिलेज घिसने लगती है तब घुटनों में दर्द अकड़न और सूजन जैसी समस्याएं शुरू हो जाती हैं। यही स्थिति आम भाषा में घुटनों की ग्रीस कम होना कहलाती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि बढ़ती उम्र मोटापा ऑस्टियोआर्थराइटिस पुरानी चोट शारीरिक निष्क्रियता और

लंबे समय तक भारी वजन उठाने की आदत इस समस्या के प्रमुख कारण हो सकते हैं। इसके अलावा महिलाओं में रजोनिवृत्ति के बाद हार्मोनल बदलाव के कारण भी जोड़ों की समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। डायबिटीज विटामिन डी की कमी और गठिया जैसी बीमारियां भी घुटनों की सेहत को प्रभावित कर सकती हैं।

यदि सुबह उठते समय घुटनों में जकड़न महसूस हो बैठने के बाद उठने में दर्द हो सीढ़ियां चढ़ने उतरने में कठिनाई आए या चलते समय घुटनों से आवाज आने लगे तो तुरंत डॉक्टर से जांच करानी चाहिए। कई बार समय पर इलाज नहीं मिलने से समस्या बढ़ सकती है और चलने फिरने में भी परेशानी होने लगती है।

जोड़ों को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित आहार बेहद जरूरी है। ओमेगा थ्री फैटी एसिड से भरपूर अखरोट अलसी के बीज और फैटी फिश का सेवन लाभदायक माना जाता है। हरी पत्तेदार सब्जियां दूध दही और पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन लेने से हड्डियां और मांसपेशियां मजबूत रहती हैं। विटामिन डी और कैल्शियम भी जोड़ों और हड्डियों की मजबूती के लिए आवश्यक पोषक तत्व हैं। ऑलिव ऑयल का सीमित उपयोग शरीर में सूजन कम करने में मदद कर सकता है।

इसके साथ ही कुछ आदतों में बदलाव भी जरूरी है। तला भुना भोजन जंक फूड और अधिक चीनी वाले खाद्य पदार्थ शरीर में सूजन बढ़ा सकते हैं इसलिए इनका सेवन कम करना चाहिए। यदि वजन अधिक है तो उसे नियंत्रित करना जरूरी है क्योंकि अतिरिक्त वजन का सीधा दबाव घुटनों पर पड़ता है। रोजाना तेज चाल से चलना तैराकी साइकिल चलाना और योग जैसी लो इम्पैक्ट एक्सरसाइज जोड़ों को सक्रिय और मजबूत बनाए रखने में मदद करती हैं

धर्म-आस्था

क्षणिक वैराग्य का भ्रम और आदमी का मसानिया सच

मनुष्य जितना आधुनिक होता जा रहा है, उतना ही भीतर से विरोधाभासों का शिकार भी होता जा रहा है। ज्ञान, नैतिकता, संस्कार और वैराग्य पर लंबे लंबे भाषण देना आज आसान हो गया है, लेकिन उन्हें अपने जीवन में उतारना पहले से कहीं अधिक कठिन प्रतीत होता है। यही कारण है कि आज समाज में ऐसे लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है जो दूसरों को जीवन जीने की सीख तो बड़े आत्मविश्वास से देते हैं, लेकिन स्वयं उसी कसौटी पर खरे नहीं उतर पाते। हर व्यक्ति स्वयं को ज्ञानी और विवेकशील मानता है, लेकिन अपने से अधिक बुद्धिमान किसी दूसरे को सहज रूप से स्वीकार नहीं कर पाता। विडंबना यह है कि व्यक्ति स्वयं चाहे झूठ बोले या झूठ के सहारे जीवन बिताए, लेकिन दूसरों से हमेशा सत्य की अपेक्षा रखता है। शायद इसी सत्य को हमारे पूर्वजों ने वर्षों पहले एक पंक्ति में समेट दिया था ₹पर उपदेश कुशल बहुतेरे।₹

अरविन्द रावल
(दैनिक अवन्तिका)

आज का मनुष्य स्वयं को सबसे अधिक समझदार और अनुभवी मानता है। उसे अपने दोष दिखाई नहीं देते, लेकिन दूसरों की छोटी सी भूल भी बड़ी नजर आती है। स्वयं झूठ और स्वार्थ से समझौता कर लेने वाला व्यक्ति भी दूसरों से ईमानदारी और आदर्शवाद की अपेक्षा करता है। यही हमारे समय का सबसे बड़ा विरोधाभास है। वर्तमान समाज में ज्ञान का प्रदर्शन बढ़ा है, लेकिन आत्ममंथन कम हुआ है। सोशल मीडिया से लेकर सामाजिक बैठकों तक हर कोई जीवन दर्शन, अध्यात्म और मानवीय मूल्यों पर उपदेश देता दिखाई देता है। आज के व्यक्ति की एक और विशेषता यह है कि उसे अपने घर परिवार से अधिक संसार भर का ज्ञान रहता है और वह अपने इस तथाकथित ज्ञान का प्रदर्शन भी पूरे आत्मविश्वास के साथ करता रहता है। वह वैराग्य, अध्यात्म और जीवन दर्शन पर ऐसी ऐसी बातें करता है कि क्षणभर के लिए लगता है मानो कोई महापुरुष हमारे सामने बैठा हो। किंतु परिस्थितियां बदलते ही वही व्यक्ति अपने सारे आदर्श भूल जाता है। उसका वैराग्य स्थायी नहीं, बल्कि परिस्थितिजन्य होता है।

यदि सच कहा जाए तो आज अधिकांश व्यक्ति 'मसानिया वैराग्य' का शिकार है। किसी व्यक्ति की मृत्यु के अवसर पर एकत्रित लोगों की बातें ध्यान से सुनिए। उस समय वैराग्य और जीवन दर्शन की गंगा बहती हुई प्रतीत होती है। लोग कहते हैं जीवन का कोई भरोसा नहीं है, इसलिए सभी से प्रेमपूर्वक मिल-जुलकर रहना चाहिए। धन के पीछे अंधी दौड़ नहीं लगानी चाहिए और पैसे के कारण रिश्ते नहीं तोड़ने चाहिए। पैसा जीवन में सब कुछ नहीं होता, प्रेम, अपनापन और व्यवहार ही जीवन की वास्तविक पूंजी हैं। उस समय ऐसा प्रतीत होता है कि अब सभी लोग अपने जीवन की दिशा बदल देंगे। लेकिन यही वैराग्य अधिक देर तक टिक नहीं पाता। मृतक की चिता की अग्नि शांत होने से पहले ही लोगों की प्राथमिकताएं बदलने लगती हैं। कपाल क्रिया पूरी होने से पहले ही मोबाइल फोन बजने लगते हैं, व्यापार की बातें शुरू हो जाती हैं, राजनीति पर चर्चा होने लगती है और जीवन फिर उसी गति से स्वार्थ, प्रतिस्पर्धा और मोह माया की ओर लौट पड़ता है। यही वह क्षण है, जहां तथाकथित वैराग्य का वास्तविक चेहरा सामने आ जाता है।

आज रिश्तों की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि संवेदनाएं भी औपचारिकता बनती जा रही हैं। जीवित व्यक्ति के लिए समय निकालना कठिन लगता है, लेकिन उसके निधन पर सामाजिक उपस्थिति दर्ज कराना आवश्यक समझा जाता है। कई लोग अंतिम यात्रा में भी इसलिए शामिल होते हैं कि समाज उन्हें संवेदनशील समझे। दुख की अभिव्यक्ति भी अब कई बार हृदय से अधिक सामाजिक दायित्व का निर्वहन बनकर रह गई है। यदि मृत आत्मा सब कुछ देख रही हो, तो शायद वह भी यही पूछे जिन लोगों का प्रेम आज उमड़ रहा है, वे मेरे जीवित रहते कहां थे? वास्तव में समस्या मृत्यु नहीं, बल्कि हमारी स्मृति की अल्पायु है। श्मशान हमें जीवन का सबसे बड़ा सत्य दिखाता है, लेकिन हम उस सत्य को घर लौटते-लौटते भूल जाते हैं। इसलिए हमारा वैराग्य शाश्वत नहीं, केवल ₹मसानिया वैराग्य₹ बनकर रह जाता है ऐसा वैराग्य जो चिता की लपटों के साथ जन्म लेता है और राख ठंडी होते ही समाप्त हो जाता है।जीवन का वास्तविक वैराग्य श्मशान में नहीं, बल्कि व्यवहार में दिखाई देना चाहिए। यदि हम सचमुच यह मानते हैं कि जीवन अनिश्चित है, तो हमें अपने रिश्तों में प्रेम बढ़ाना होगा, अहंकार कम करना होगा, क्षमा करना सीखना होगा और धन को साधन मानना होगा, साध्य नहीं।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 6000 से 6050 विशाल, 5950 से 6000 मसूर 6000,महाराष्ट्र सफेद 7400 से 7500, महाराष्ट्र लाल 7700 से 7900, कर्नाटक 8100 से 8300 निमाड़ी, डेट तुअर 6500 से 7500 मूंग बेस्ट गर्मी, 7100 से 7300 मूंग बेस्ट बोल्ड, 7500 से 7700 मीडियम बोल्ड, 7200 से 7600 मोगर 5500 से 6500 उड़द बोल्ड 8700 से 9000, उड़द गर्मी 8000 से 8400 ग्रेविटी, क्लीन 8600 से 8900 हल्का उड़द, 4000 से 6000 काबुली डॉलर, 7000 से 8400 काबुली रशियन, 5800 बिटकी 5200 से 5300, सरसों निमाड़ी 8000 से 8200, रायडा 6800 से 7000 करंज 5000, से 5200 सोयाबीन 6800 अलसी, 8500 से 9000 तिल्ली 8000 से, 9000 गेहूं मिल क्वालिटी 2500 से 2550 लोकवन 2750 से 2800, पूर्णा 2550 से 2600 मालवराज, 2600 से 2650 मक्का 1975 से 2000 चना दाल 7450 से 7550, मीडियम 7650 से 7750 रुपए।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 700 से 800 ज्योति राशन आलू 500 से 600 गुल्ला 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल बिका। प्याज नया 1200 से 1300 पुराना 800 से 1000 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 300 से 400 प्रति क्विंटल रहे। लहसुन एक्स्ट्रा सुपर 13500 से 14000 देशी 10000 से 11000 एवरेज 8000 बारीक 4000 रुपए क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 1950-2925, धनिया- 10300-12762, चना देशी- 5541-6301, डालर चना- 3850-7310, मटर- 2622-3430, मक्का- 2415, मूंग- 6810, सोयाबीन- 2200-8000, तिल्ली- 10491-11001, सरसो- 6886, मावा- 300 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्डर्ड- 1,42,700 रवा- 1,42,500 चांदी- टंच- 2,27,000 पाट- 2,26,500।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती छड़ी 75 से 180, चावल तिबार 68 से 120, चावल पोनिया 55 से 85, चावल की टुकडी 36 से 65, चावल सेला 36.5 से 38, राइस परमेल 35 से 44, तूवर दाल निमाड़ी 130, तूवर दाल महाराष्ट्र 104 से 113, तूवर दाल अन्य 85 से 120, मूंग दाल 85 से 110, मुंग मोगर 95 से 120,उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, चना दाल 71 से 80।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

115 मरीजों की हुई नेत्र जांच 61 मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए भोपाल रवाना

शुजालपुर। शुजालपुर क्षेत्र को अंधत्व से मुक्त करने के उद्देश्य से सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत शुजालपुर मंडी स्थित सेवा सदन नेत्र जांच केंद्र पर निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 115 मरीजों की आंखों की जांच की गई। साथ ही मरीजों का शुगर एवं रक्तचाप परीक्षण भी किया गया। जांच के दौरान 61 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। सभी चयनित मरीजों को शुजालपुर मंडी स्थित सेवा सदन नेत्र जांच केंद्र के सामने से बस द्वारा सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के नए अस्पताल गांधीनगर भोपाल के लिए रवाना किया गया, जहां उनका निःशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा। शिविर संयोजक जानीमल सबनानी, सोनू सबनानी एवं पंकज सबनानी परिवार की ओर से मरीजों के लिए भोजन के पैकेट, चाय एवं पेयजल की व्यवस्था की गई। शिविर में नेहा सोनी ने शुगर एवं रक्तचाप की जांच की। सेवा सदन के जिला प्रभारी खुशीराम आचार्य ने बताया कि शुजालपुर क्षेत्र को अंधत्व मुक्त बनाने के लक्ष्य के साथ प्रत्येक रविवार आसपास के गांवों में निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

नरोला हीरापुर में 5 बकरियां चोरी भुगोर में भी हुई थी 10 बकरियों की चोरी

शुजालपुर। क्षेत्र में पशु चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। मंडी थाना क्षेत्र के ग्राम नरोला हीरापुर में अज्ञात बदमाश एक बकरा और चार बकरियां चोरी कर ले गए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार नरोला हीरापुर निवासी 46 वर्षीय लक्ष्मीबाई मालवीय ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह मजदूरी करने के साथ बकरियां पालती हैं। 28 जून की शाम रोजाना की तरह वह अपने एक बकरे और चार बकरियों को चराकर घर के पास बनी टापरी में बांधकर सो गई थीं। 29 जून की सुबह करीब 5.30 बजे उठकर देखा तो टापरी से एक काला बकरा और चारों बकरियां गायब थीं। काफी तलाश के बाद भी उनका कोई पता नहीं चला, जिसके बाद उन्होंने मंडी थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि इससे एक दिन पहले ही मंडी थाना क्षेत्र के ग्राम भुगोर में भी 10 बकरे-बकरियों की चोरी का मामला दर्ज हुआ था। ग्रामीणों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की है।

5 सूत्रीय मांगों के निराकरण की उठाई मांग

मुख्यमंत्री के नाम तहसील मुख्यालयों पर पटवारियों ने सौंपा ज्ञापन

शुजालपुर। मध्यप्रदेश पटवारी संघ के प्रादेशिक आह्वान पर बुधवार को जिले के सभी तहसील मुख्यालयों पर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे गए। तहसीलदार के माध्यम से प्रेषित ज्ञापन में पटवारी संवर्ग की वर्षों से लंबित पांच सूत्रीय मांगों का शीघ्र निराकरण करने तथा मुख्यमंत्री स्तर पर पटवारी संघ के प्रतिनिधियों से चर्चा कर समाधान निकालने की मांग की गई। संघ ने ज्ञापन में कहा कि कैडर रिव्यू लागू कर वेतनमान विसंगति दूर की जाए तथा कैडर रिव्यू लागू होने तक पटवारियों को पदोन्नति एवं समयमान वेतनमान का लाभ दिया जाए। इसके अलावा वर्ष 2018 के बाद से लंबित नायब तहसीलदार की विभागीय परीक्षा शीघ्र आयोजित करने, पटवारियों को जज प्रोटेक्शन एक्ट के दायरे में शामिल करने तथा विभिन्न योजनाओं के लंबित मानदेय का तत्काल भुगतान किए जाने की मांग भी रखी गई। पटवारी संघ ने चेतावनी दी है कि यदि आगामी 7 दिनों में मांगों का समाधान नहीं किया गया तो प्रदेशभर के पटवारी 15 से 17 जुलाई 2026 तक तीन दिवसीय सामूहिक सांकेतिक अवकाश पर रहेंगे। इसके बाद भी मांगें पूरी नहीं होने पर चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। उक्त जानकारी पटवारी संघ जिलाध्यक्ष हरिओम हनोतिया ने दी।

बजरंग दल के प्रदर्शन के बाद हरकत में आया अस्पताल, मृत्यु प्रमाण पत्र जारी

एक माह तक नहीं मिली पोस्टमार्टम रिपोर्ट सिविल अस्पताल शुजालपुर में हुआ हंगामा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

सिविल अस्पताल में पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने में करीब एक माह की देरी को लेकर बुधवार को बजरंग दल कार्यकताओं ने अस्पताल परिसर में प्रदर्शन किया। करीब दो घंटे तक चले विरोध के दौरान कार्यकताओं ने परिजनों को समय पर दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराने पर नाराजगी जताई। सूचना मिलने पर मंडी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश के बाद मामला शांत कराया।

मामला अकोदिया क्षेत्र के ग्राम चापड़िया निवासी राजेंद्र राजपूत के पिता की सड़क दुर्घटना में हुई मृत्यु से जुड़ा है। परिजनों का कहना है कि 31 मई को पोस्टमार्टम होने के बाद से वे लगातार रिपोर्ट और मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए अस्पताल के चक्कर लगा रहे थे। आवश्यक दस्तावेज नहीं मिलने से

बैंक सहित अन्य वैधानिक कार्य भी प्रभावित हो रहे थे। इसके बाद उन्होंने बजरंग दल कार्यकर्ताओं के साथ अस्पताल पहुंचकर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

अस्पताल प्रभारी डॉ. राम सलोने मिश्रा ने बताया कि जांच में सामने आया कि पोस्टमार्टम से संबंधित ऑनलाइन प्रविष्टि में थाना कोड का तकनीकी असंगत उपयोग होने के कारण अस्पताल के पोर्टल पर प्रकरण प्रदर्शित नहीं हो सका। इसके चलते रिपोर्ट जारी होने में विलंब हुआ। उन्होंने बताया कि तकनीकी समस्या के बावजूद संबंधित आउटसोर्स ऑपरेटर ने न तो परिजनों को सही जानकारी दी और न ही वरिष्ठ अधिकारियों को समय पर अवगत कराया। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए ऑपरेटर की सेवाएं समाप्त करने की बात कही गई। उधर एक चिकित्सक को भी सूचना पत्र जारी करने की बात कही।

व्यवस्था में सुधार किए जाएगा- डॉ. मिश्रा

डॉ. मिश्रा ने बताया कि भविष्य में ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति रोकने के लिए पोस्टमार्टम प्रकरणों का पृथक रजिस्टर तैयार किया गया है। प्रत्येक प्रकरण की नियमित समीक्षा होगी और सात दिन के भीतर रिपोर्ट उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। वहीं प्रदर्शन के दौरान परिजनों को मृत्यु प्रमाण पत्र उपलब्ध करा दिया गया, जबकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट चिकित्सक की उपलब्धता के बाद जारी किए जाने की जानकारी अस्पताल प्रबंधन ने दी। अस्पताल के अनुसार, रिपोर्ट तैयार करने वाले चिकित्सक पूर्व रात्रि ड्यूटी के कारण उस समय उपलब्ध नहीं थे।

शाजापुर बस स्टैंड पर कीचड़ में फंसी दो कारें

सड़क चौड़ीकरण की लापरवाही, निर्माण कार्य अधूरा छोड़ने से गड्ढा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

शाजापुर शहर के शहरी हाईवे पर चल रहा सड़क चौड़ीकरण कार्य स्थानीय निवासियों और वाहन चालकों के लिए समस्या का कारण बन गया है। बस स्टैंड ट्रैफिक पॉइंट के पास लगभग एक हफ्ते पहले नाली निर्माण के लिए सड़क किनारे खुदाई की गई थी। हालांकि, यह कार्य अभी तक अधूरा है और खुदाई से निकली मिट्टी को भी नहीं हटाया गया है।

लगातार बारिश के कारण यह मिट्टी कीचड़ में बदल गई है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गुरुवार सुबह इसी कीचड़ में दो कारें फंस गईं। स्थानीय लोगों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद अन्य वाहनों की मदद से रस्सियों से खींचकर दोनों कारों को बाहर निकाला। इस घटना के कारण

कार्य की नियमित निगरानी नहीं की जा रही

स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर पालिका और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों द्वारा कार्य की नियमित निगरानी नहीं की जा रही है। उनका कहना है कि सड़क खोदने के बाद निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है, जिससे हर बारिश के बाद स्थिति और बिगड़ रही है। निवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो यहां कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

कुछ समय के लिए यातायात भी बाधित रहा।

दुकान संचालक अमित ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से उनकी दुकान के सामने गड्ढे, कीचड़ और जलभराव की स्थिति बनी हुई है। इसके चलते ग्राहकों की आवाजाही कम हो गई है और उनका व्यापार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से इस समस्या का शीघ्र समाधान करने की मांग की है।

गाय को बचाने में डिवाइडर से टकराई कार, 6 लोग घायल

दो सड़क हादसे में एक गोवंश की भी मौत

शाजापुर। शाजापुर जिले में बुधवार रात गोवंश के सड़क पर आ जाने से दो अलग-अलग सड़क हादसे हुए। हादसों में कुल छह लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक गोवंश की भी मौके पर मौत हो गई। पहला हादसा नेशनल हाईवे-52 पर सारंगपुर के पास हुआ। इंदौर निवासी चार लोग भेसवा माताजी क्षेत्र से एक मशीन की मरम्मत कर अपने घर लौट रहे थे। तभी उनकी कार के सामने अचानक एक गाय आ गई। गाय को बचाने के प्रयास में चालक ने कार से नियंत्रण खो दिया और वाहन डिवाइडर से टकरा गया। हादसे में कार चालक मुकेश प्रजापति को मामूली चोटें आईं, जबकि सतीश, विवेक और अवधेश घायल हो गए। सभी घायलों को शाजापुर जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। दूसरा हादसा शाजापुर के बेरछा रोड स्थित पुलिया के पास हुआ। मजदूरी कर अपने गांव रंथभंवर लौट रहे दिनेश और राहुल की बाइक के सामने अचानक गोवंश आ गया। तेज टक्कर में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए और बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में गोवंश की मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

बारिश में नौलाया स्कूल के सामने जलभराव, छात्रों को परेशानी

अकोदिया। अकोदिया की शासकीय हाईस्कूल नौलाया के सामने बारिश के कारण घुटनों तक पानी भर गया है। गांव के बाहर स्थित बड़े नाले का पानी ओवरफ्लो होकर मुख्य सड़क पर आने से यह स्थिति बनी है। जलभराव के चलते स्कूल प्रबंधन को तेज बारिश की आशंका पर बच्चों की छुट्टी समय से पहले करनी पड़ रही है, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। स्कूल के प्राचार्य गोकुल प्रसाद कुलमिया ने बताया कि पानी का बहाव बढ़ने पर बच्चों के लिए सुरक्षित घर पहुंचना मुश्किल हो जाता है। इसी सुरक्षा को देखते हुए उन्हें समय से पहले घर भेजना पड़ता है।

देवास: बारिश में धंसी सड़क, गांवों का संपर्क टूटा

चार दिन पहले पड़ी दरारों की मरम्मत नहीं, वैकल्पिक मार्ग से आवागमन शुरू

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

देवास की सोनकच्छ तहसील के हरनावदा देव गांव में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनी सड़क का करीब 50 मीटर हिस्सा मंगलवार देर रात धंस गया। लगातार बारिश के कारण सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे गांव का एकमात्र संपर्क मार्ग बंद हो गया। करीब एक हजार से डेढ़ हजार आबादी वाले गांव का संपर्क आसपास के क्षेत्रों से कट गया।

ग्रामीणों के अनुसार, सड़क पर शनिवार को ही बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई थीं। इसके बावजूद संबंधित विभाग ने न तो मरम्मत कराई और न ही सुरक्षा के कोई इंतजाम किए। मंगलवार रात हुई तेज बारिश के बाद सड़क का हिस्सा पूरी तरह धंस गया।

सुबह जब ग्रामीण सोनकच्छ

12 घंटे में तैयार किया गया अस्थायी रास्ता

सूचना मिलने पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और क्षतिग्रस्त सड़क का निरीक्षण किया। इसके बाद करीब 12 घंटे की मशक्कत से एक वैकल्पिक अस्थायी मार्ग तैयार कराया गया। फिलहाल इस रास्ते से दोपहिया और हल्के वाहन गुजर रहे हैं, जबकि स्कूल वैन और बड़े वाहनों की आवाजाही अब भी बाधित है।

जाने के लिए निकले तो सड़क धंसी हुई मिली। मार्ग बंद होने से स्कूल बसें गांव तक नहीं पहुंच सकीं। वहीं आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और लोगों का दैनिक आवागमन भी प्रभावित रहा। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क की मरम्मत करीब डेढ़ साल पहले ही कराई गई थी, लेकिन निर्माण कार्य की गुणवत्ता ठीक नहीं थी।

सेफ क्लिक : 25 हजार विद्यार्थियों को दिलाई साइबर सुरक्षा की शपथ

आगर-मालवा। मध्यप्रदेश पुलिस के राज्य स्तरीय सेफ क्लिक 2.0 (सुरक्षित क्लिक, सुरक्षित जीवन) अभियान का निजी गार्डन में भव्य समापन हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कलेक्टर प्रीति यादव रहीं। इस दौरान पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रविंद्र कुमार बोयट, एसडीओपी मोतीलाल कुशवाहा सहित पुलिस अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थियों के साथ अन्य लोग उपस्थित रहे। कलेक्टर प्रीति यादव ने कहा कि साइबर सुरक्षा हर नागरिक की जिम्मेदारी है और जागरूकता से ही साइबर अपराधों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी ने बताया कि अभियान के तहत जिलेभर में साइबर चौपाल, नुक्कड़ नाटक, क्विज प्रतियोगिताएं और जनसंवाद आयोजित किए गए। कार्यक्रम से पहले जिले के सभी शासकीय और अशासकीय स्कूलों में करीब 25 हजार विद्यार्थियों और शिक्षकों ने साइबर सुरक्षा शपथ ली। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक, छात्र और अन्य लोगों को सम्मानित किया गया।

तेज बारिश से मिली लोगों को राहत, बिजली रही गुल

कानड़। नगर में बुधवार शाम करीब 7 बजे तेज बारिश हुई। यह लगभग आधे घंटे तक जारी रही। बारिश से लोगों को उमस व गर्मी से कुछ राहत मिली। बारिश शुरू होते ही विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। करीब आधे घंटे तक नगर के कई क्षेत्रों में अंधेरा छाया रहा। लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। नगरवासियों का कहना है कि यह कोई नई बात नहीं है। हल्की बारिश होते ही बिजली गुल होना अब आम समस्या बन गई है। लोगों ने बारिश के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है। इधर, क्षेत्र में अब भी झमाझम मानसूनी बारिश का इंतजार बना हुआ है। अब तक पर्याप्त वर्षा नहीं होने से नदी-नाले सूखे पड़े हैं। जलस्त्रोतों में पानी की आवक नहीं हो सकी है। भूजल स्तर में भी अपेक्षित सुधार नहीं आया है। नलकूपों का जलस्तर नहीं बढ़ पाया है।

चौमा की लखुंदर नदी में अब तक नहीं आया बारिश का पानी

कानड़। नगर से लगभग 5 किलोमीटर दूर ग्राम चौमा से होकर बहने वाली लखुंदर नदी इस वर्ष अब तक मानसूनी पानी का इंतजार कर रही है। 8 जुलाई तक भी क्षेत्र में पर्याप्त वर्षा नहीं होने के कारण नदी में बारिश का नया पानी नहीं पहुंच पाया है। गौरतलब है कि गत वर्ष मानसून के दौरान हुई अच्छी बारिश से लखुंदर नदी दो-तीन बार उफान पर रही थी। नदी में इतना पानी भरा था कि उसका प्रवाह लंबे समय तक बना रहा। अब तक उसमें पिछले वर्ष का पानी बहता दिखाई दे रहा है। हालांकि इस वर्ष अब तक झमाझम बारिश नहीं होने से नदी का जलस्तर नहीं बढ़ा है। क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों का कहना है कि अच्छी बारिश नहीं होने से नदी, तालाब और अन्य जलस्त्रोत भी पर्याप्त रूप से नहीं भर पाए हैं। यदि जल्द ही मानसून सक्रिय होकर अच्छी वर्षा नहीं हुई तो जलस्त्रोतों के साथ-साथ खरीफ फसलों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ग्रामीणों की निगाहें अब मानसून की जोरदार बारिश पर टिकी हुई हैं।

घर में फंदे पर लटका मिला हलवाई का शव, पुलिस जाँच में जुटी

देवास। देवास के त्रिलोक नगर क्षेत्र में 56 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान अनिल ठाकुर (56) पिता रामाश्रय ठाकुर के

रूप में हुई। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है। अनिल ठाकुर हलवाई का काम करते थे। घटना के समय वे घर पर अकेले थे। उनकी पत्नी और बच्चे पिछले लगभग एक वर्ष से कालानी बाग क्षेत्र में रह रहे हैं। मकान मालिक ने जब घटना की जानकारी देखी तो तत्काल परिजनों को फोन कर सूचित किया। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में मर्ग कायम कर आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है।

कार्यालय रजिस्ट्रार ऑफ पब्लिक ट्रस्ट एवं अनुविभागीय अधिकारी, उज्जैन नगर, जिला उज्जैन

क्रमांक/रीडर-1/2026/1012 **उज्जैन दिनांक: 03/07/2028**

प्रकरण कमांक 00/बी-113/25-26

लोक न्यास का नाम श्री श्री शिव शक्ति धर्मत्थान अवंतिका फाउण्डेशन न्यास

पंजीयन कमांक-

श्री श्री शिव शक्ति धर्मोत्थान अवंतिका फाउण्डेशन न्यास
द्वारा अध्यक्ष आचार्य पंडित सचिन व्यास पिता घनश्याम बाबु व्यास,
कार्यालय 2, अखण्ड महाकाल कॉलोनी बाग वाले हनुमान
पिंजरापोल के पीछे जयसिंहपुरा उज्जैन----- आवेदक

विरूद्ध

मध्यप्रदेश शासन

विज्ञप्ति

दिनांक 03/07/2026

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री आचार्य पंडित सचिन व्यास पिता घनश्याम बाबु व्यास अध्यक्ष 'श्री श्री शिव शक्ति धर्मोत्थान अवंतिका फाउण्डेशन न्यास कार्यालय- 2, अखण्ड महाकाल कॉलोनी बाग वाले हनुमान पिंजरापोल के पीछे जयसिंहपुरा उज्जैन म.प्र. द्वारा 'श्री श्री शिव शक्ति धर्मोत्थान अवंतिका फाउण्डेशन न्यास के नवीन ट्रस्ट पंजीयन हेतु आवेदन पत्र, राजस्व खाते में जमा रू. 100/- के चालान क्रमांक 0029147414 दिनांक 23.03.2026 की मूल प्रति, ट्रस्ट डीड (मूल) ट्रस्टीयों के आधार कार्ड आदि दस्तावेजों की छायाप्रति प्रस्तुत कर मध्यप्रदेश ट्रस्ट एक्ट 1951 धारा 04 के अधीन नवीन ट्रस्ट पंजीयन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसमें ट्रस्ट का विवरण निम्नानुसार है-

न्यास का नामः- **श्री श्री शिव शक्ति धर्मोत्थान अवंतिका फाउण्डेशन न्यास'**
कार्यालय :- **2, अखण्ड महाकाल कॉलोनी बाग वाले हनुमान पिंजरापोल के पीछे जयसिंहपुरा उज्जैन**
अचल संपत्ति : **वर्तमान में न्यास ने अपने पास अचल संपत्ति निरंक दर्शाई है।**
चल संपत्ति :- **वर्तमान में न्यास ने चल संपत्ति 1,000/- रू. दर्शाई है।**

क्र.	ट्रस्ट को घोषित करने वालों का नाम एवं पता	पदनाम
01	श्री सचिन व्यास पिता घनश्याम बाबू व्यास निवासी- 02 अखण्ड आश्रम चारधाम मंदिर के पीछे उज्जैन	अध्यक्ष
02	श्रीमती पूजा चौबे पति अंकित चौबे निवासी- 53/5 रामघाट मार्ग उज्जैन	सचिव
03	श्री मोहनलाल पिता दौलतराम निवासी- डाकघर ढली बडेया, शिमला हिमाचल प्रदेश	कोषाध्यक्ष
04	श्री घनश्याम शर्मा पिता रामगोपाल शर्मा, निवासी बस स्टेंड, ग्राम नाहली, तलेन राजगढ़, नरसिंहगढ म.प्र.	सदस्य
05	श्री अतुल कुमा शर्मा पिता घनश्याम शर्मा निवासी विपेज भरेच पोस्ट ऑफिस जुन्ना,भहेछ शिमला हिमाचल प्रदेश	सदस्य
06	श्री मनोज चौधरी पिता मांगीलाल चौधरी निवासी 15 मंगलनाथ मंदिर के पीछे कमेड उज्जैन	सदस्य
07	श्री अमित पिता बबलू राहांगडाले निवासी- 107, हिंगणा रोड प्रियदर्शनी नगर एनआईटी गार्डन के पास रानप्रताप नगर नागपुर महाराष्ट्र	सदस्य

म.प्र. पब्लिक ट्रस्ट एक्ट 1951 की धारा 04 के अंतर्गत उक्त ट्रस्ट पंजीयन के संबंध में उक्त न्यास या संपत्ति का कोई न्यासधारी या कार्यवाही, न्यासधारी या उसमें हित रखने वाले और किसी आपत्ति का सुझाव प्रस्तुत करने का विचार रखने वाले व्यक्ति को इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से एक माह के भीतर दो प्रतियों में लिखित कथन प्रस्तुतकर्ता मेरे समक्ष उपरोक्त दिनांक को या तो व्यक्तिशः या अभिभाषक या अभिकर्ता के द्वारा उपस्थित होना चाहिए। नियत अवधि के उपरांत प्रस्तुत होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

दिनांक 03/07/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से उक्त सूचना पत्र जारी किया गया।

रजिस्ट्रार ऑफ पब्लिक ट्रस्ट
अनुभाग उज्जैन नगर, जिला- उज्जैन

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भूमि स्वामी श्री घनश्याम सिंह पिता श्री भोमसिंह, निवासी-नागदा जिला उज्जैन के मालिकी, स्वामित्व, स्वत्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि आराजी सर्वे क्रं०-407/1 रकबा 0.7000 हैक्टर भूमि ग्राम मोहना तह० नागदा जिला उज्जैन में स्थित है तथा भूमि स्वामी श्री महिपाल सिंह पिता श्री भोमसिंह, निवासी- मोहना, नागदा जिला उज्जैन के मालिकी, स्वामित्व, स्वत्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि आराजी सर्वे क्रं.-407/2 रकबा 0.7000 हैक्टर भूमि ग्राम मोहना तहसील नागदा जिला उज्जैन में स्थित है। उक्त कृषि भूमि की भू-अधिकार एवं ऋण पुस्तिका पर भूमिस्वामी के रूप में 01) श्री घनश्याम सिंह व 02) श्री महिपाल सिंह का नाम दर्ज है उक्त भूमि को मेरे पक्षकार ने क्रय करने का सौदा कर बयाना राशि अदा कर दी है, शेष राशि भुगतान कर विक्रय पत्र का पंजीयन करवाना बाकी रहा है।

उक्त कृषि भूमि पर भूमि स्वामी के अतिरिक्त अन्य किसी व्यक्ति, संस्था, वित्तीय निकाय, बैंक, पेढ़ी, शासकीय या अर्द्धशासकीय संस्था आदि का किसी भी प्रकार का कोई स्वत्व, हित व अधिकार अथवा भार, बोझ, दान, विक्रय, बक्षीस, अनुबंध आदि हो अथवा किसी भी प्रकार का कोई सुखाधिकार हो अथवा इस विक्रय व्यवहार मे किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के 7 (सात) दिन मे अपनी आपत्ति मय लेखी प्रमाण के मेरे कार्यालय मे आकर प्रस्तुत करे, ताकि उसका निराकरण किया जा सके, अन्यथा उक्त अवधि पश्चात मेरे पक्षकार अपने हित मे उक्त संपत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन करा लेंगे व उसके पश्चात किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नही होगी, न ही मेरे पक्षकार पर बंधनकारक होगी। सूचित हो।

दीपक बोरीवाल
ए-12, भरतपुरी काम्पलेक्स उज्जैन
मो 9425168084

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार ने भवन क्रमांक 220 ई. द्वितीय स्थित अतिरिक्त विश्व बैंक परियोजना सेंटपॉल कॉन्वेंट स्कूल के पीछे, आगर रोड़, उज्जैन (म.प्र.) में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 45.00 वर्गमीटर है को विक्रय मूल्य की सम्पर्ण राशि अदा कर मेरे पक्षकार द्वारा अनुबंध पत्र का निष्पादन कर लिया गया है तथा अब विक्रय-पत्र का संपादन करवाया जाना शेष हैं।

उक्त सम्पत्ति के क्रय-विक्रय के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था आदि को कोई आपत्ति हो या किसी शासकीय या अर्द्धशासकीय कार्यालय, बैंक, सोसाइटी आदि के अतिरिक्त कोई ऋण भार आदि हो या कोई व्यक्ति, सोसायटी, संस्था आदि उक्त सम्पत्ति पर अपना हक, हित, स्वत्व, आदि रखती हो तो वह इस जाहिर सूचना प्रकाशन के 7 (सात) दिन के अन्दर लिखित प्रमाण के लिखित रूप में आपत्ति मेरे कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करें ताकि उसका निराकरण किया जा सके। उक्त अवधि पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा अपने हित में अनुबंध-पत्र व विक्रय पत्र का सम्पादन करवा लिया जावेगा। बाद अवधि गुजरने पर किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी तथा ऐसी कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारक नहीं होकर शून्यवत होगी। सो सूचित हो। इतिः दिनांक-09/07/2026 स्थान-उज्जैन

प्रणव गर्ग हाईकोर्ट एडवोकेट
पता : 267-268 एल.आई.जी. - द्वितीय, विश्व बैंक
कॉलोनी, सांदीपनी नगर, उज्जैन
मोबा. 98264-60339

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरे पक्षकार ने विक्रेता हडमतसिंह पिता रामसिंहजी जाति सौंधिया राजपूत, निवासी ग्राम पाडीखेडा तहसील झारड़ा अनुभाग महिदपुर जिला उज्जैन के स्वामित्व स्वत्व एवं प्रत्यक्ष आधिपत्य की ग्राम पाडीखेड़ा तहसील झारड़ा अनुभाग महिदपुर जिला उज्जैन स्थित कृषि भूमि सर्वे नम्बर 409/2 रकबा 0.98 हैक्टयर कृषि भूमि को क्रय करने का सौदा किया होकर बयाना राशि अदा कर दी है, तथा अनुबंध पत्र भी निष्पादित करवा लिया है, तथा शेष राशि अदा कर विक्रय पत्र का पंजीयन करवाया जाना शेष है। यदि उक्त कृषि भूमि में कोई भी व्यक्ति, संस्था आदि कोई अपना हित व हिस्सा रखता हो या उक्त भूमि पर किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक अथवा सरकारी, सहुकारी या किसी विभाग या वित्तिय संस्था अथवा सोसायटी का कोई ऋण भार हो तो ऐसे सम्बंधित विभाग/व्यक्ति इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 7 दिवस के भीतर मेरे कार्यालय में आकर प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करे, ताकि उसका निराकरण किया जा सके। अन्यथा बाद अवधि मेरा पक्षकार उक्त विक्रेता से उक्त कृषि भूमि का रजिस्टर्ड विक्रय पत्र का पंजीयन करवा लेवेगा, तथा कोई आपत्ति मान्य नही होगी। सो सूचित हो। इति दिनांकः-09-07-2026

अतुल लश्करी एडव्होकेट
कार्यालय 9, लक्ष्मीबाई पथ, छीपा बाखल,
महिदपुर जिला उज्जैन (म.प्र.)
मो.न. 9669443020

अच्छी वर्षा और सुख-शांति की कामना को लेकर देवी देवता का पूजन संपन्न

तनोडिया। खेड़ापति हनुमान भक्त द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी नगर में अच्छी वर्षा व सुख शांति बनी रहे। और अच्छी फसल आए किसान समुद्र हो ऐसी भावनाएं लेकर बुधवार को सुबह नगरवासियों द्वारा नगर देवी देवता का पूजन किया गया जिसमें रामलीला चौक पर स्थित हनुमान मंदिर पर भक्तों एकत्रित होकर पुर्व मंडी उपाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह राठौर द्वारा पूजन करके निकले भक्तों ने नगर के जितने भी प्रमुख मंदिर है। सभी मंदिरों पर जाकर चोला चढ़ाया व नारियल,पुष्प चढ़ाकर भगवान से आशीर्वाद लिया और प्रार्थना की कि नगर में अच्छी वर्षा हो समस्त प्रकार की बीमारी से दूर रहे, नगर में सुख शांति बनी रहे। खेड़ापति हनुमान भक्त जो नगर का बड़ा केंद्र है इस लिए प्रतिवर्ष नगर देवता का पूजन यही से करता है और सभी समाज एक दूसरे के साथ में मिलजुल कर रहे, सुख शांति व समृद्धि बनी रहे जिसको लेकर कई वर्षों से यह कार्य करता आ रहा है। नगर पूजन के बाद प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर बडी संख्या में भक्त भवंरसिंह राठौर, सत्यनारायण बैरागी, देवीसिंह ,डुगंरसिंह, गोपाल सिंह मांगीलाल प्रजापत, सिदेश्वर तिवारी, विक्रमसिंह राठौर, मंगु सिंह, इदंरसिंह,देवेंद्र तिवारी, भवंरसिंह राठौर, रतनलाल कादरा,भारत सिंह राठौर,व कई समाज बंधु उपस्थित रहे।

गोगापुर की पूजा आंजना का राजस्थान में सहायक कृषि अभियंता के पद पर चयन

महिदपुर रोड। ग्राम गोगापुर की पूजा आंजना का राजस्थान में कृषि विभाग में सहायक कृषि अभियंता पद पर चयन होने पर ग्राम

के प्रभुलाल शर्मा, जनपद सदस्य बाबूदास बैरागी, बलवंत सिंह आंजना, योगेश जैन आदि ने हर्ष व्यक्त किया है। पूजा आंजना गांव के कृषक जगदीश साधना की बेटी है उसकी शिक्षा नवोदय विद्यालय में हुई पूजा ने राजस्थान सरकार के कृषि विभा ग में सहायक कृषि अभियंता पद पर आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल होकर परीक्षा दी थी जिसमें उसका चयन हुआ।

श्री गौरीशंकर महादेव मंदिर में 5 दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ

सुसनेर। नगर के वार्ड क्रमांक 12 स्थित परसुलिया रोड की पुष्प शक्ति विहार कॉलोनी में नव निर्मित श्री गौरीशंकर महादेव मंदिर में शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा के लिए आयोजित 5 दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ बुधवार को धार्मिक उल्लास और भक्तिमय वातावरण के बीच हुआ। महोत्सव के प्रथम दिन दोपहर 2 बजे श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, महिलाओं एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कलश यात्रा में पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भगवान शिव के जयकारों और भजनों के साथ नगर भ्रमण किया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने पूरे मार्ग में धर्मध्वज लेकर चल रहे भक्तों के साथ भगवान भोलेनाथ के जयघोष किए, जिससे वातावरण पूरी तरह शिवमय हो गया। विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत भी किया गया। कलश यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर पुष्प शक्ति विहार कॉलोनी स्थित श्री गौरीशंकर महादेव मंदिर पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार एवं धार्मिक विधि-विधान के साथ महोत्सव का शुभारंभ हुआ। आयोजन के दौरान विद्वान आचार्यों के सान्निध्य में प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, पूजन, हवन एवं वैदिक कार्यक्रम संपन्न होंगे। महोत्सव के समापन अवसर पर शिव परिवार की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कराई जाएगी।

अत्यवस्था का शिकार अस्पताल रोड़:

जनपद पंचायत कार्यालय के सामने खड़ी रहती है गाड़िया, लगता है भीषण जाम

सारंगपुर। शहर का सबसे व्यस्त और संवेदनशील माना जाने वाला अस्पताल मार्ग एक बार फिर भारी अव्यवस्था का केंद्र बन गया। बुधवार को जनपद पंचायत कार्यालय सारंगपुर के मुख्य गेट के ठीक सामने वाहनों की अनियंत्रित कतारों के कारण लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। इस जाम में कई चार पहिया वाहन, वीआईपी गाड़ियां और दोपहिया वाहन आपस में इस कदर उलझ गए कि पैदल चलने वालों तक को रास्ता नहीं मिला। जनपद पंचायत कार्यालय के ठीक सामने कारों की अंधाधुंध पार्किंग और एक साथ निकलने की होड़ के कारण पूरी सड़क ब्लॉक हो जाती है। बारिश के बाद गीली और संकरी हो चुकी इस सड़क पर दोनों ओर से आ रहे वाहन आमने-सामने फंस जाते है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जनपद कार्यालय में आने वाले जनप्रतिनिधियों के वाहनों के बेतरतीब खड़े होने से यह स्थिति अक्सर निर्मित होती है। चूंकि यह मार्ग सीधे सिविल अस्पताल को जोड़ता है, इसलिए यहाँ से चौबीसों घंटे गंभीर मरीजों और गर्भवती महिलाओं को लेकर एम्बुलेंस और निजी वाहन गुजरते हैं। इस तरह के लंबे जाम के कारण आपातकालीन सेवाओं पर सीधा असर पड़ रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जाम के दौरान अनेको बार कई मरीज समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पा रहे हैं और परिजनों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। सड़क पर देर तक गाड़ियां रेंगती रहतीं है।

अ.भा. संत समिति धर्म समाज पुजारी ईकाई ने नायब तहसीलदार सौंपा ज्ञापन

सरकारी योजनाओं से वंचित संत-पुजारी समाज ने की मानदेय बढ़ाने तथा 'प्रोटेक्शन एक्ट' की मांग

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बड़नगर

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा किसानों के लिए कई जन कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका लाभ आम किसानों को मिल रहा है। लेकिन दूसरी ओर, मठ-मंदिरों की भूमि पर खेती का कार्य करने वाले संत-पुजारी आज भी इन सरकारी योजनाओं के लाभ से पूरी तरह वंचित हैं। मंदिर की भूमि पर ई-केवाईसी नहीं होने के कारण पुजारियों को खाद-बीज के टोकन नहीं मिल पा रहे हैं, जिससे उन्हें कृषि कार्य में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिसको लेकर अ.भा. संत समिति धर्म समाज पुजारी ईकाई द्वारा एक ज्ञापन नायब तहसीलदार पूनमसिंह बघेल टप्पा खरसौद कलां को सौपा गया ।

ज्ञापन के माध्यम से धर्मसमाज प्रदेश अध्यक्ष सालगरामदास ने बताया कि जिस प्रकार आम किसानों की फार्मर आईडी बनी हुई है, उसी तर्ज पर शासन द्वारा संचालित मंदिरों के पुजारियों की भी 'किसान फार्मर आईडी' बनाई जाए। साथ ही उन्हें सहकारी संस्थाओं का सदस्य बनाकर प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ दिलाया जाए। पुजारियों का कहना है कि देवस्थानों के पुजारियों की समस्याओं के निराकरण और प्रशासन से बेहतर तालमेल के लिए अनुविभागीय अधिकारी एवं तहसीलदार द्वारा वर्ष में कम से कम दो बार बैठक ली जानी चाहिए। इससे पूरे मध्य प्रदेश के संत-पुजारी अपनी समस्याओं से अधिकारियों को अवगत करा सकेंगे, वहीं प्रशासन के पास भी मठ-मंदिरों की संपत्तियों की सही और अद्यतन जानकारी उपलब्ध रहेगी। पुजारी समाज ने चिंता जताते हुए कहा कि वर्तमान में लगभग 75 प्रतिशत मंदिरों की जमीनों पर भू-माफियाओं और पड़ोसियों द्वारा अवैध कब्जे कर लिए गए हैं, जिससे मंदिर की जमीनें खुर्द-बुर्द हो रही हैं।

तहसील सहित पूरे प्रदेश में सन 2023 से पुजारी 'यूनिक कोड' को लेकर परेशान हो रहे हैं। कई बार आवेदन देने के बावजूद यूनिक कोड जारी नहीं होने से बड़ी संख्या में पुजारियों का मानदेय अटका हुआ है। इसके साथ ही, आए दिन संतों और पुजारियों पर होने वाले हमलों और दबंगों के अत्याचार पर गहरी चिंता व्यक्त की गई है। पुजारियों ने सरकार से सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाते हुए 'पुजारी प्रोटेक्शन एक्ट' (पुजारी सुरक्षा कानून) लागू करने की मांग की है।

पुजारियों का मानदेय दिहाड़ी मजदूरी से भी कम

पुजारियों को मिलने वाला वर्तमान मानदेय एक दिहाड़ी मजदूरी से भी कम है। मांग की गई है कि इस मानदेय को कलेक्टर रेट के अनुसार किया जाए, ताकि पुजारी सम्मानपूर्वक भगवान की पूजा-अर्चना के साथ अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकें। इसके लिए राजस्व अभिलेख (खसरा-खतौनी) में पुजारी का नाम दर्ज किया जाना बेहद जरूरी है।

ध्वजा पर छपने वाले चित्रों को प्रतिबंधित किया जाए

पुजारी समाज ने एक महत्वपूर्ण धार्मिक विषय की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि वर्तमान में मंदिरों पर लगाई जाने वाली धार्मिक ध्वजाओं पर भगवान के चित्र बना दिए जाते हैं। हवा-पानी से जब ये ध्वजाएं पुरानी होकर फट जाती हैं, तो वे इधर-उधर उड़कर अपवित्र स्थानों पर गिरती हैं, जिससे भगवान के चित्रों का अपमान होता है। इस परंपरा पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। इसके साथ ही, पुजारियों ने सरकार से 'गौमाता' को राष्ट्रमाता घोषित करने की भी पुरजोर मांग की है। ज्ञापन के दौरान नितन शर्मा, संजय उपाध्याय, प्रेमदास, गोपालदास, राजेश, जगदीशदास बैरागी, ईश्नानाथ योगी, रमेशला, भेरुनाथ योगी, रामदसा, दिनेशदास मनोहरदास, देवेन्द्रदास आदि उपस्थित थे ।

निजी स्कूलों की मनमानी फीस व महंगी पुस्तकों के खिलाफ कांग्रेस ने दिया ज्ञापन

■ कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ जीरापुर

नगर कांग्रेस सेवादल, जीरापुर द्वारा निजी विद्यालयों में मनमानी फीस वृद्धि, महंगी पुस्तकों एवं यूनिफॉर्म की अनिवार्यता के विरोध में जिला शिक्षा अधिकारी एवं तहसीलदार के नाम तहसील कार्यालय जीरापुर में ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि जिले के कई निजी विद्यालय अभिभावकों से निर्धारित दुकानों से ही महंगी पुस्तकें एवं यूनिफॉर्म खरीदने का दबाव बना रहे हैं, जिससे आम परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है।

ज्ञापन में मांग की गई कि निजी विद्यालयों की फीस वृद्धि पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा निजी विद्यालय (फीस विनियमन) अधिनियम-2017 का सख्ती से पालन कराया जाए। साथ ही विद्यालयों में केवल एनसीईआरटी पाठ्यक्रम एवं निर्धारित दरों पर पुस्तकें लागू करने, निजी प्रकाशकों की महंगी पुस्तकों की अनिवार्यता समाप्त करने और पुस्तकें व यूनिफॉर्म खुले बाजार से खरीदने की स्वतंत्रता देने की मांग भी की गई। इसके अलावा जिन निजी विद्यालयों में शासन के नियमानुसार सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, उनकी मान्यता की जांच करने तथा निजी विद्यालयों के शिक्षकों को न्यूनतम निर्धारित मानदेय दिलाने की भी मांग उठाई गई।

नगर कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष (नगर मुख्य संगठक) भगवान सिंह मालवीय ने कहा कि यदि प्रशासन द्वारा शीघ्र उचित कार्रवाई नहीं की गई तो कांग्रेस सेवादल अभिभावकों के हित में बड़ा जनआंदोलन करेगा।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर नगर कांग्रेस अध्यक्ष तरुण चौबे, सेवादल अध्यक्ष नगर भगवान मालवीय, गिरिराज सिंह खींची, राजाराम पाटीदार, गोकुल वर्मा, शहबाजपुर, बीरम राजाहेड़ी, प्रेमसिंह राजाहेड़ी, चंदर सिंह गुर्जर, निरंजन टेलर, वहीद शाह एवं राधेश्याम मालवीय सहित कांग्रेस सेवादल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिजली के खंभों व पेडों पर लगा रहे अवैध होर्डिंग, बैनर और पोस्टर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर

इन दिनों नगर में अवैध होर्डिंग, बैनर, पोस्टर की भरमार हो रही है। राजनीति हो, या फिर अन्य कोई व्यापारिक प्रतिष्ठान, निजी अस्पताल, शैक्षणिक संस्था हर क्षेत्र के सबसे अधिक होर्डिंग बिजली के खंभों पर लगाए जा रहे हैं, जो बारिश के दिनों में तेज हवा आंधी के चलते हादसों का कारण बन सकते हैं। इनमें करंट फैलने का डर बना रहता है, इन्हें हटाने की जिम्मेदारी विद्युत वितरण कंपनी की है, जो परमिशन भी देती है लेकिन इसके जिम्मेदार इस तरफ ध्यान नहीं दे रहे हैं। कई जगह बडे होर्डिंग आंधी चलने पर आमजन के लिए परेशानी बन सकते हैं।

नियमानुसार बिजली के खंभों का उपयोग अनुमति लेने के बाद ही किया जा सकता है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है तो उनके खिलाफ कार्रवाई करने का प्रावधान है। बावजूद इसके अवैध होर्डिंग, बैनर, पोस्टर की बाढ सी आई हुई है। जहां देखो वहां बिना अनुमति के ही इन्हें लगाया जा रहा है। यहां तक कि बिजली के खंभों से लेकर हरे पेडों को भी नहीं छोडा जा रहा है। एक और नए शिक्षा सत्र की शुरूआत होने से प्राइवेट स्कूलों ने अपने बडे-बडे होर्डिंग बैनर लगा रखे हैं, वहीं इस समय नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने से अभी से हार्डिग, पोस्टर लगाए जा रहे हैं। शहर के कई पेड पर कील से होर्डिंग को ठोक दिया गया है। जिससे कई बार पेड भी सूख जाते हैं।

भ्याना में एक पखवाड़े से सचिव का पद रिक्त

सारंगपुर। ग्राम पंचायत भ्याना में पिछले दो हफ्तों से अधिक समय से प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है। गत 20 जून के बाद से यहाँ पंचायत सचिव का पद रिक्त पडा हुआ है, जिसके कारण स्थानीय ग्रामीणों को अपने छोटे-छोटे शासकीय और व्यक्तिगत कार्यों के लिए भारी दिक्कतों और मानसिक प्रताडना का सामना करना पड़ रहा है। मानसून के इस महत्वपूर्ण दौर में जहाँ ग्रामीण अंचलों में पंचायत स्तर पर सक्रियता की सबसे अधिक आवश्यकता होती है, वही भ्याना पंचायत बिना प्रशासनिक मुखिया के बेसहारा छोड दी गई है। स्थानीय ग्रामीणों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सचिव के न होने से पंचायत भवन में सन्नाटा पसरा रहता है। ग्रामीणों के रोजमर्रा के जरूरी काम जैसे जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन, मूल निवासी और आय प्रमाण पत्र का सत्यापन पूरी तरह ठप हो गया है। इसके अलावा राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं जैसे प्रधान मंत्री आवास योजना और आयुष्मान भारत कार्ड के अपडेशन का काम भी अटक गया है।

बड़नगर विधानसभा क्षेत्र में विकास को रफ्तार

विधायक पंड्या ने 1.70 करोड़ के कार्यों का किया भूमिपूजन और लोकार्पण, बदलेगी क्षेत्र की तस्वीर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बड़नगर

विधानसभा के ग्राम अमलावद कलॉ में 46 लाख 60 हजार से अधिक की लागत के निर्माण कार्यो का भूमि पूजन व लोकार्पण साथ ही ग्राम महुड़ी आलम में 1 करोड़ 24 लाख से अधिक की लागत के विकास कार्यों का भूमि पूजन व लोकार्पण विधायक जितेन्द्र उदयसिंह पण्ड्या के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

इस अवसर पर विधायक पण्ड्या ने कहा कि आज का दिन हमारे क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक है। भूमि पूजन व लोकार्पण के ये कार्य सिर्फ पत्थर लगाना नहीं बल्कि क्षेत्र के उज्जवल भविष्य की नींव है। जनता ने जिस विश्वास के साथ मुझे चुना है उस पर खरा उतरना ही मेरा एकमात्र लक्ष्य है। क्षेत्र का चहुंमुखी विकास और अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना मेरी प्राथमिकता है। विधायक पण्ड्या ने अधिकारीयों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी निर्माण कार्य पुरी गुणवत्ता के साथ और समय सीमा के भीतर पुरे किए जाए ताकि जनता को इसका जल्द से जल्द लाभ मिल सके।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित

आज के इस भूमि पूजन एवं लोकार्पण के अवसर पर, जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि उमरावसिंह, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष अजब सिंह, खरसोद कला, भाजपा मंडल अध्यक्ष विजयराजसिंह, इंगोरिया भाजपा मंडल अध्यक्ष गोपाल आंजना,खरसोद खुर्द मंडल अध्यक्ष मुकेश व्यास , सरपंच संघ अध्यक्ष मनोहर गुर्जर, गजेन्द्रसिंह राजावत, सुनीता टीकमसिंह पंवार, जनपद सदस्य लाखनसिंह, सुखदेव पाटीदार , गोर्वधनसिंह पटेल मानियावदा, इन्द्रपालसिंह पण्ड्या, शिवराम जाट ,भोमसिंह पंवार ,नाथुसिंह सरपंच, राहुल चैहान सरपंच, देवेन्द्रसिंह राणावत सरपंच भेरूलाल सोलंकी सुमेरसिंह, धर्मेन्द्र सिंह राठौड़, भारती चैहान ,देवेन्द्र पटेल सहित समस्त पंचगण व बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

जाट के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुँचे जिला पंचायत सदस्य

महिदपुर रोड। नगर जाट समाज के समाजसेवी अंतर्राष्ट्रीय जाट महासभा के तहसील प्रभारी पत्रकार महेंद्र जाट व उनके अनुज सुरेन्द्र जाट के पिता बंशीलाल जाट का असामयिक निधन होने पर जिला पंचायत सदस्य प्रतापसिंह आर्य तथा श्याम सिंह चौहान मंगलवार को उनके निवास स्थान पर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे। इस दौरान आर्य तथा चौहान के साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व सरपंच कमल सिंह पंवार सहित विभिन्न समाज के समाजसेवी तथा पत्रकार भी उपस्थित रहे।

दिग्विजयसिंह को अयोध्या की पदयात्रा कांग्रेस के बैनर तले करना चाहिए - गुजराती

नजरपुर। अयोध्या के राम मंदिर में ट्रस्ट के कर्मचारियों द्वारा दान राशि के करोड़ों रुपए और सोने चांदी एवं विदेशी मुद्राओं की चोरी करने के संबंध में व भारतीय जनता पार्टी की जनविरोधी नीतियों के विरोध में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव दिग्विजय सिंह द्वारा सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाते हुए उज्जैन से अयोध्या तक पदयात्रा 2 अक्टूबर से प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित किया है। विधानसभा क्षेत्र घटिया के वरिष्ठ कांग्रेस नेता मदनलाल गुजराती ने दिग्विजय सिंह को इस संबंध में एक पत्र लिखकर मांग की है कि इस यात्रा को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष से अनुमति लेकर कांग्रेस के ही बैनर तले उज्जैन से अयोध्या तक की पदयात्रा करना चाहिए। पदयात्रा की सूचना उ.प्र. के जिन जिलों और ब्लॉकों से होकर गुजरेगी तो उ.प्र. कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष एवं संबंधित जिला व ब्लॉकों के अध्यक्षगणों को कांग्रेस कमेटी के द्वारा आफिसियल पत्र के माध्यम से सूचना करवाना चाहिए।

स्पिरिचुअल स्कूल के पूर्व छात्र ने राष्ट्रीय स्तर पर किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

सारंगपुर। स्थानीय स्पिरिचुअल विवेकानंद हायर सेकेंडरी स्कूल के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। विद्यालय के पूर्व छात्र मुरली पिता सुकदेव पाटीदार का एनआएमसीइटी-2026 में ऑल इंडिया रैंक 8 प्राप्त कर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआइटी), तिरुचिरापल्ली में मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन पाठ्यक्रम के लिए चयन हुआ है। उपलब्ध सीट आवंटन पत्र के अनुसार उन्हें प्रथम राउंड में उन्हें एनआइटी तिरुचिरापल्ली आवंटित हुआ है। इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। विद्यालय के डायरेक्टर मोहन सिंह नागर एवं प्राचार्य विनोद कुमार सिंदल व शिक्षकगण ईश्वर सिंह राजपूत, अम्बाराम भिलाला, सोम वैष्णव, जीवन खजुरिया, रवि उमठ एवं समस्त शिक्षक शिक्षिकाओ ने मुरली पाटीदार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि उनकी यह सफलता विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुरली भविष्य में भी अपने परिवार, विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगे।

विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन

बडौद। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़ौद में वरिष्ठ कार्यालय के निर्देशानुसार भारत सरकार द्वारा जारी नवीन गाइडलाइन 2026 के अनुसार विद्यालय प्रबंध समिति का गठन किया गया। जनप्रतिनिधि मंजू सचिन लववंशी, संस्था प्रधान अनिल दामके एवं अन्य जनप्रतिनिधियों अभिभावकों एवं वरिष्ठ शिक्षकों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से भारत सिंह सोलंकी को अध्यक्ष एवं लखन सेन को उपाध्यक्ष, पदेन सचिव प्राचार्य अनिल दामके के साथ 24 सदस्यीय समिति का गठन किया गया जो भविष्य में विद्यालय हितों को ध्यान में रखते हुए आपसी विचार विमर्श एवं समन्वय से कार्य करेगी।

इटावा के महादेव मंदिर एवं बाईक चोरी का खुलासा, आरोपी से माल बरामद

दैनिक अवन्तिका ▸▸ तराना

पुलिस द्वारा चोरी के दो मामलों को सुलझाने में सफलता हासिल की है। टीआई रामायण भदौरिया ने बताया कि ग्राम इटावा के श्री पूर्वमुखी हनुमान महादेव मंदिर में हुई चोरी की घटना का सफल खुलासा कर आरोपी भगवानसिह को गिरफ्तार करते हुए चोरी गया मंदिर की पुजना सामग्री धार्मिक बर्तन तथा एक मोटर सयाकल जप्त करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। मामले में फरियादी समभाव पिता तकेसिंह पाटीदार, निवासी ग्राम इटावा, की रिपोर्ट पर थाना तराना में अपराध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया था।

अन्य मामले में फरियादी गोपाल पिता नारायणसिंह यादव जाति अहीर उम्र 32 साल निवासी ग्राम पाचारुण्डी जिला आगर-मालवा हामु पानी की टंकी के महेश मार्केट तराना से द्वारा अज्ञात आरोपी द्वारा फरियादी की मोटर साईकिल बजाज डिस्कवर क्रमांक MP 42 MF 1880 चोरी कर ले जाने के संबंध में थाना तराना पर अपराध

पंजीबद्ध कराया था। फरियादी के अनुसार, दिनांक 29 जून को अज्ञात आरोपी द्वारा श्री पूर्वमुखी हनुमान महादेव मंदिर से पूजा-अर्चना में प्रयुक्त पीतल एवं अन्य धातु के धार्मिक बर्तन तथा पूजन सामग्री चोरी कर ली गई थी। चोरी गए सामान की अनुमानित कीमत लगभग 20,000 आंकी गई थी। टीम द्वारा मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी भगवानसिह पिता नारायण सिह उम्र 35 साल निवासी ग्राम बरोठिया थाना माकडोन जिला उज्जैन को गिरफ्तार किया गया है । पुछताछ के दौरान आरोपी द्वारा ईटावा स्थित मंदिर से जलाधारी घड़ा , 8 पुजा की थाली तांबै पीतल की आदि चोरी करना स्वीकार किया है तथा तराना बाजार से एक मोटरसायकल चोरी करना स्वीकार किया । पुछताछ में यह भी पता चला है कि आरोपी द्वारा चोरी की गयी मश्रुका पुर्व में थाना लालघाटी जिला शाजापुर में जप्त कराना बताया है । प्रकरण में शाजापुर पुलिस से समन्वय स्थापित कर उक्त संपूर्ण माल को नियमानुसार इस प्रकरण में बरामदगी की कार्यवाही की जा रही है।

कामाख्या शक्तिपीठ का सबसे बड़ा रहस्य

कामाख्या देवी मंदिर को दिव्य और चमत्कारी मंदिर कहा जाता है। हर साल यहां जून के महीने में आध्यात्म, आस्था और रहस्य का अनूठा संगम देखने को मिलता है। जिसको दुनिया 'अंबुबाची मेला' कहती है।

भारत अपनी संस्कृति और कलाओं के साथ-साथ अपनी आध्यात्म और धार्मिक मान्यताओं के लिए जाना जाता है। खासकर हिंदू धर्म में आस्था से जुड़े कई चमत्कार देखने को मिलते हैं। यहां कई ऐसे मंदिर हैं, जो अपना रहस्यों के लिए जाने जाते हैं। ऐसा ही एक मंदिर पूर्वोत्तर भारत के असम में स्थित है, जो कामाख्या देवी मंदिर है और इसको एक दिव्य और चमत्कारी जगह कहा जाता है। हर साल यहां जून के महीने में आध्यात्म, आस्था और रहस्य का अनूठा संगम देखने को मिलता है। जिसको दुनिया 'अंबुबाची मेला' कहती है।

रहस्यों से भरा मां का दरबार

असम के गुवाहाटी शहर की नीलाचल पहाड़ियों पर मां कामाख्या का यह पावन धाम मौजूद है। हिंदू धर्म की सभी 51 शक्तिपीठों में मां कामाख्या मंदिर का सबसे खास और ऊंचा स्थान माना गया है। मंदिर की मान्यता है कि यहां बाकी मंदिरों की तरह किसी देवी की मूर्ति नहीं है। गर्भावस्थाऔर मातृत्व मूर्ति की जगह पर यहां एक प्राकृतिक रूप से निर्मित शिला की पूजा होती है। जिसका आकार योनि के समान है। माना जाता है कि देवी सती के योनि का भाग यहां पर गिरा था, जिसके बाद यहां पर शक्तिपीठ बना था।

अंबुबाची मेला यहां पर होने वाला एक अहम पर्व है। इस मेले से प्राचीन और गहरी धार्मिक मान्यताएं जुड़ी हैं। माना जाता है कि हर साल मेले के दौरान मां कामाख्या अपने मासिक धर्म से गुजरती हैं। इसी वजह से देवी मां को पूरा आराम दिया जाता है और मंदिर के मुख्य कपाट को तीन दिनों के लिए पूरी तरह बंद कर दिया जाता है। इन तीन दिनों में मंदिर के अंदर किसी भी तरह का पूजा-पाठ, आरती या अन्य कोई धार्मिक अनुष्ठान नहीं होता है। वहीं चौखे दिन शुद्धिकरण अनुष्ठान करने के बाद ही मंदिर के कपाट भक्तों के लिए खोले जाते हैं।

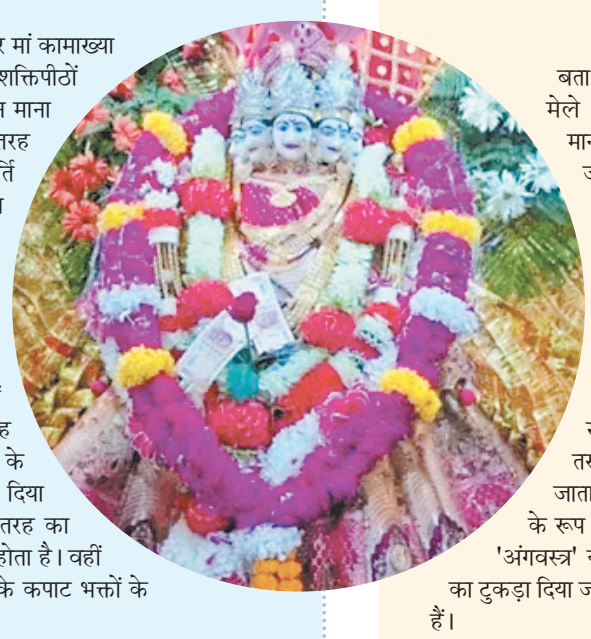

बता दें कि अंबुबाची मेले से जुड़ी कई मान्यताएं हैं। माना जाता है कि मंदिर का पट बंद करते समय यहां पर एक सफेद कपड़ा रखा जाता है, जोकि 3 दिन बाद मंदिर खुलने पर पूरी तरह से लाल हो जाता है। वहीं प्रसाद के रूप में भक्तों को यही 'अंगवस्त्र' यानी लाल कपड़े का टुकड़ा दिया जाता है। जिसको लोग मां कामाख्य का परम आशीर्वाद मानते हैं।

महाभारत काल से जुड़ा है पंच केदार का रहस्य

धार्मिक मान्यता है कि मुताबिक जब भगवान शिव बैल रूप में धरती में समाए तो उनके शरीर के अलग-अलग हिस्से हिमालय के पांच अलग-अलग स्थानों पर प्रकट हुए। इन्हीं 5 स्थानों पर पांडवों द्वारा भगवान शिव की पूजा की गई।

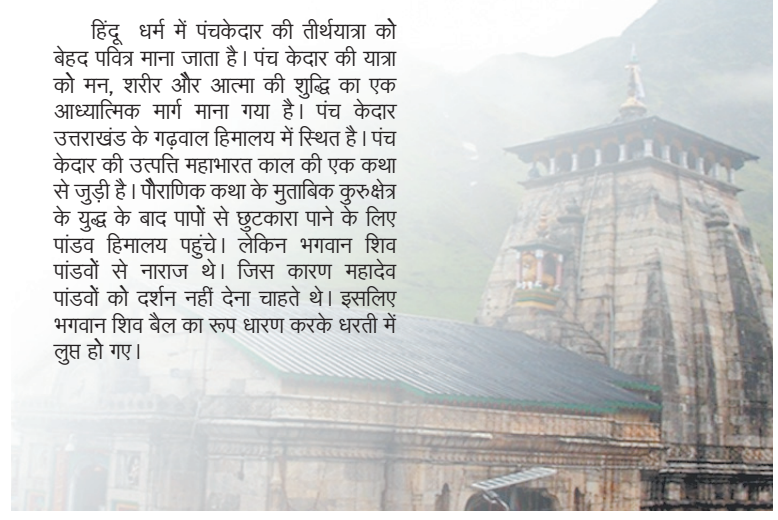

हिंदू धर्म में पंचकेदार की तीर्थयात्रा को बेहद पवित्र माना जाता है। पंच केदार की यात्रा को मन, शरीर और आत्मा की शुद्धि का एक आध्यात्मिक मार्ग माना गया है। पंच केदार उत्तराखंड के गढ़वाल हिमालय में स्थित है। पंच केदार की उत्पत्ति महाभारत काल की एक कथा से जुड़ी है। पौराणिक कथा के मुताबिक कुरुक्षेत्र के युद्ध के बाद पापों से छुटकारा पाने के लिए पांडव हिमालय पहुंचे। लेकिन भगवान शिव पांडवों से नाराज थे। जिस कारण महादेव पांडवों को दर्शन नहीं देना चाहते थे। इसलिए भगवान शिव बैल का रूप धारण करके धरती में लुप्त हो गए।

धार्मिक मान्यता है कि मुताबिक जब भगवान शिव बैल रूप में धरती में समाए तो उनके शरीर के अलग-अलग हिस्से हिमालय के पांच अलग-अलग स्थानों पर प्रकट हुए। इन्हीं 5 स्थानों पर पांडवों द्वारा भगवान शिव की पूजा की गई। जिसको पंच केदार के नाम से जाना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पंच केदार और इसके महत्व के बारे में बताने जा रहे हैं।

पंचकेदार में केदारनाथ मंदिर सबसे प्रमुख माना जाता है। यहां पर बैल रूपी अवतार की पीठ का हिस्सा प्रकट हुआ था। केदारनाथ को आस्था का बड़ा केंद्र माना जाता है और हर साल भारी संख्या में श्रद्धालु केदारनाथ मंदिर आते हैं। यहां पर भगवान शिव की पूजा करने से जातक को पापों से मुक्ति मिलती है और शुभ फल की प्राप्ति होती है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार तुंगनाथ में भगवान शिव का हाथ प्रकट हुआ था। यह मंदिर सबसे ऊंचाई पर स्थित है। पांडवों ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए तुंगनाथ मंदिर का निर्माण किया जाता है। माना जाता है कि यहां पर भगवान शिव के दर्शन से व्यक्ति को मन की शांति मिलती है।

रुद्रनाथ में भगवान शंकर का मुख प्रकट हुआ था। यहां पर भगवान शिव की पूजा नीलकंठ के रूप में की जाती है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक इस मंदिर में साधना करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है और भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है।

Sport

सेरेना विलियम्स, लेब्रन जैसे खिलाड़ी बदल रहे उम्र की परिभाषा

स्पोर्ट्स साइंस, डाइट ने बढ़ाया करियर; फीफा वर्ल्ड कप में 8 खिलाड़ी 40+ उम्र के

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

40 साल की उम्र आम लोगों के लिए अक्सर शरीर की सीमाओं का अहसास कराने लगती है, लेकिन खेल की दुनिया में तस्वीर तेजी से बदल रही है। कभी जिस उम्र को खिलाड़ियों के करियर का अंत माना जाता था, अब वही उम्र नई मिसालें गढ़ रही है। इसकी सबसे ताजा तस्वीर विम्बलडन में दिखी, जहां 44 वर्षीय सेरेना विलियम्स ने करीब चार साल बाद सिंगल्स कोर्ट पर वापसी की।

23 ग्रैंड स्लैम सिंगल्स खिताब जीत चुकी सेरेना ओपन एरा में विम्बलडन के मुख्य ड्रॉ में खेलने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी बनीं। उनकी बड़ी बहन 46 वर्षीय वीनस विलियम्स भी डबल्स में उतर रही हैं। यानी उम्र बढ़ी है, लेकिन चुनौती लेने का जज्बा नहीं। यह बदलाव सिर्फ टेनिस तक सीमित नहीं है। 2026 फीफा वर्ल्ड कप में रिकॉर्ड आठ खिलाड़ी 40 साल या उससे ज्यादा उम्र के रहे। इससे पहले खेले गए सभी वर्ल्ड कप मिलाकर भी इतने 40+ खिलाड़ी नहीं उतरे थे। 41 वर्षीय लुईस हैमिल्टन अब भी फॉर्मूला-1 में पोडियम फिनिश कर रहे हैं, जबकि 41 साल के बास्केटबॉल स्टार लेब्रन जेम्स एनबीए में अब भी अपनी टीम के सबसे अहम खिलाड़ियों में गिने जाते हैं।

समर मैकिन्टोश ने तोड़ा विश्व रिकॉर्ड

एजेंसी ▸▸ मॉन्ट्रियल

कनाडा की 19 वर्षीय तैराक समर मैकिन्टोश ने कनाडाई ट्रायल्स में महिलाओं की 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा दो मिनट 1.65 सेकंड में पूरी कर विश्व रिकॉर्ड बना दिया। उन्होंने चीन की लियू जिगे का 2009 में बनाया 2 मिनट 1.81 सेकंड का रिकॉर्ड तोड़ा, जिसे सुपर-सूट युग का कहा जाता था। तीन बार की ओलंपिक चैंपियन समर मैकिन्टोश रिकॉर्ड बनाने के बाद खुशी से पूल के पानी पर मुक्के मारने लगीं।

पिछले वर्ष वह विश्व चैंपियनशिप में इस रिकॉर्ड से केवल 0.18 सेकंड पीछे रह गई थीं। अब वह पैन पैसिफिक चैंपियनशिप से पहले 400 मीटर व्यक्तिगत मेडले, मंगलवार को 400 मीटर फ्रीस्टाइल और बुधवार को 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले स्पधाओं में भी चुनौती पेश करेंगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फोन पर पलटा रेड कार्ड का फैसला

एजेंसी ▸▸ सिएटल

जिसकी लाठी उसकी भैंस!... अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फीफा विश्व कप में इसे सच कर दिखाया। उनके फोन कॉल के बाद फीफा ने अमेरिकी स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन पर लगा रेड कार्ड निलंबन हटा दिया। यह अभूतपूर्व फैसला फीफा विश्व कप इतिहास की सबसे विवादित घटना बन गई है, जिसने फुटबॉल जगत में भूचाल ला दिया है।

बालोगुन मौजूदा विश्व कप में तीन गोल कर चुके बालोगुन अमेरिका की सबसे बड़ी उम्मीद हैं। अमेरिका और बोस्निया-हजेगोविना के बीच राउंड ऑफ-32 के मुकाबले में उन्हें एक गंभीर फाउल के लिए रेड कार्ड दिया गया। जिससे उन पर बेल्जियम के खिलाफ अगले मैच का स्वतः प्रतिबंध लग गया। फीफा ने रविवार को अचानक यह प्रतिबंध एक साल के लिए टालकर दुनिया को हैरान कर दिया। इसके पीछे अनुच्छेद-27 के नियम का हवाला दिया गया। यानी बालोगुन यदि एक साल ऐसा गंभीर फाउल नहीं करते तो निलंबन लागू नहीं होगा। पर रेड कार्ड बरकरार रहेगा।

मामले से जुड़े एक व्यक्ति ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि ट्रंप ने मैच के बाद फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो को दो से तीन बार फोन किया और रेड कार्ड की समीक्षा को कहा था। फीफा के फैसले के बाद ट्रंप ने ट्वीट किया, सही काम करने व अन्याय को पलटने के लिए फीफा का आभार।

बेल्जियम फुटबॉल महासंघ ने बालोगुन के मामले पर फीफा से स्पष्टीकरण मांगा। जवाब न मिलने पर पात्रता को औपचारिक चुनौती देने का ऐलान किया।

संघर्ष की कहानी- हार्दिक, पैसे की किल्लत से पढ़ाई छूटी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या आज करोड़ों प्रशंसकों के चहेते हैं, लेकिन जीवन में बड़े संघर्षों से गुजर कर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। फिलहाल उनकी नई फ्रेंचाइजी में जाने की चचाएं जोरों पर हैं।

वडोदरा के छोटे-मोटे मैदानों में खेल कर टीम इंडिया के सितारे बने हार्दिक का जन्म 11 अक्टूबर 1993 को सूरत के चौरियासी में हुआ था। उनके पिता कार फाइनेंस का व्यवसाय करते थे। हार्दिक और उनके भाई क्रुणाल का कॅरिअर क्रिकेट में बनाने के लिए परिवार वडोदरा शिफ्ट हो गया। वडोदरा में पिता को दिल का दौरा पड़ गया। उनकी गिरती सेहत के कारण आमदनी ठप हुई तो परिवार को गहरी आर्थिक तंगी से गुजरना पड़ा।

एक वक्त ऐसा भी था, जब हार्दिक के पास स्कूल फीस चुकाने के पैसे भी नहीं होते थे। उन्होंने नौवीं कक्षा के बाद स्कूल छोड़ दिया। दोनों भाई लोकल क्लब्स के लिए गांवों में क्रिकेट खेलने जाते थे, जहां उन्हें 400 रुपए मिलते थे। कई बार दोनों वक्त मैगी खाकर पेट भरना पड़ता था।

आवश्यकता है
रेस्टोरेंट में कार्य करने हेतु हेल्पर की जो सभी कार्य कर सके आवश्यकता है।
संपर्क
9827820470

आवश्यकता है
टाइपिस्ट की आवश्यकता है समय रात्रि 7:30 से 10:30 तक वेतन योग्यतानुसार।
संपर्क करें
एडवोकेट विजय पटेल
मीणा समाज धर्मशाला काजीपुरा अंकपत मार्ग उज्जैन
मोबाइल- 9301322699

प्रवेश प्रारंभ
आवश्यकता है:- शिक्षक / शिक्षिकाओ की (अंग्रेजी माध्यम स्कूल में)
योग्यता :- ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट,
आफिस समय
10 से 01 बजे तक
आवेदनः 23-06-2026
सेन्ट मदार कान्वेंट स्कूल
36, मदार गेट सरदार स्टील के पास उज्जैन
फोन नम्बरः-2557390

विज्ञप्ति
क्षीरसागर कॉलोनी स्थित भूखण्ड क्रमांक 3 नजर अली मार्ग, पथ क्रमांक 3, उत्तरमुखी खुला भूखण्ड 46 फीट बाय 66 फीट विक्रय किया जाना है। वास्तविक इच्छुक व्यक्ति ही स्वयं सम्पर्क करें, मध्यस्थता स्वीकार्य नहीं है।
चन्द्रकान्त शुक्ला
मो. 9406801039

मकान बेचना है
गणेशपुरा मक्सी रोड मेन चौराहा, गली नंबर 1 में 20x40 में निर्मित सर्वसुविधा युक्त मकान बेचना है।
संपर्क
8717818385

प्रॉपर्टी बेचना है
प्रॉपर्टी बेचना है इंदौर में 1. 700, sqft शॉप मेन रोड, 2. 1500,sqft plot भवर कुआं चौराहे पर, 3. 1500,sqft plot पर बना हुआ शोरूम मेन खंडवा रोड पर, 4. 2,लाख किराए पर लगे बैंक, 5. हॉस्टल विष्णुपुर में, 6. शोरूम विजय नगर में, 7. 1200,sqft रानी बाग में 8. 1500,sqft इंद्रपुरी में 9. रेस्टोरेंट विजय नगर में, 10. लक्जरी फार्म हाउस
संपर्क करें
पीसी राजपूत रीयल एस्टेट
9893713817

आवश्यकता है
मार्केटिंग / सेल्समैन वेतन 12000 से 15000 योग्यतानुसार
(समय प्रातः 7.30 से 6 बजे तक लन्च 1 से 2.30)
नोटः जरूरतमंद एवं अनुभवी की आवश्यकता
पेट्रोल खर्च अतिरिक्त दिया जाएगा
संपर्क
मो.9575477077

खरीदना / किराए से चाहीए
उज्जैन में कोई भी छोटी होटल या होम स्टे, जो चालू अवस्था में हो खरीदना / किराए से चाहीए
संपर्क
9893374872

इन्दौर में 2 BHK फ्लेट बेचना है।
सीता श्री रेसीडेंसी
ऐयर पोर्ट मेनरोड कालानी नगर के पास
ग्राउंड फ्लोर में 4 बैंक व 4 दुकाने है
पास में, मेट्रो स्टेशन निर्माणाधीन मोके की जगह।
सीधे आनर से संपर्क करें।
9669578652

आवश्यकता
छुरी वाली कटिंग मशीन एवं सर्कलकटिंग मशीन ऑपरेटर की जो दोनों मशीन चलाना जानता हो, चौकीदार की जो रात दिन फैक्ट्री पर रह सके.
संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 मक्सी रोड इंडस्ट्रियल एरिया प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक-युवती की। पेन्ट-शर्ट बनाने वाले कारीगर की भी आवश्यकता है।
संपर्क करें
9575555715, 9425094114

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क
7773077762

अवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक और युवती की।
कोट पेन्ट बनाने वाले कारीगर की व शर्ट व सफारी बनाने वाले कारीगरों की आवश्यकता है।
प्रोमिस टेलर मेट्रो टॉकीज के सामने (उज्जैन)
संपर्क करें
7974817308, 9516848052

बेचना है
अगरबत्ती का कारखाना बेचना है, वियतनाम ऑटोमैटिक मशीन। ड्रायर मिक्सर और अन्य सामान बेचना है। स्थान- नागझिरी, उज्जैन
संपर्क
9111328540

किराए से देना है
शहर के मध्य, पुराने दारू गोदाम के सामने, बुनकर समिति के अंदर 1500 & 2000 SQFT कमर्शियल व गोडाउन उपयोग हेतु 16 फीट ऊंचाई टीन शेड, बोरिंग सुविधा, अटैच लेट-बाथ, सर्व सुविधा युक्त
6267735937

आवश्यकता
अशासकीय विद्यालय श्री संस्कृति कॉ. मि. स्कूल भैरवगढ़ में अध्यापन हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं की आवश्यकता है- अनुभवी एवं प्रशिक्षित को प्राथमिकता-
योग्यता- B.E.D/D.E.D./Deled
वेतन- 7000 से 8000 प्रतिमाह
राजेश राव हाण्डे- 9977588698
Head Master
Shri Sanskriti Convent Middle School, Bhairavgar

न्यूज कॉलम

लसूड़िया थाना क्षेत्र में एक वृद्ध दंपती ने बेटे-बहू पर लगाया प्रताड़ना का आरोप

इंदौर। लसूड़िया थाना क्षेत्र में एक वृद्ध दंपती ने अपने ही बेटे और बहू पर मारपीट कर घर से निकालने, प्रताड़ित करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लसूड़िया थाना पुलिस के अनुसार कमला बाई पांडे (60) और उनके पति श्रीराम पांडे (68) निवासी स्कीम नंबर-78 ने शिकायत दर्ज कराई है कि उनके पुत्र मुकेश वर्मा (पांडे) और पुत्रवधु अलका वर्मा (पांडे) लंबे समय से उनके साथ अभद्र व्यवहार कर रहे थे। शिकायत में दंपती ने आरोप लगाया है कि करीब 11 वर्ष पहले बेटे और बहू ने उनके साथ मारपीट कर उन्हें उनके ही स्वामित्व वाले मकान से जबरन बाहर निकाल दिया। इसके बाद से दोनों किराए के मकान में रहने को मजबूर हैं। उनका कहना है कि यह मकान उन्होंने अपनी मेहनत की कमाई से खरीदा था। वृद्ध दंपती ने बताया कि बढ़ती उम्र और शारीरिक कमजोरी के कारण वे आर्थिक और मानसिक रूप से बेहद परेशान हैं तथा वर्तमान में उनकी आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं है।

रील बनाकर चाकू लहराने वाले दो बदमाश गिरफ्तार, सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया था

इंदौर। हीरानगर थाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर चाकू के साथ रील बनाकर वीडियो शेयर करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से दो चाकू जब्त किए हैं। दोनों आरोपियों पर पहले से भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। हीरानगर थाना प्रभारी सुशील पटेल ने बताया कि बुधवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया था। इसमें सुखलिया निवासी उदय तिवारी और कान्हा उर्फ कृष्णा शर्मा हाथों में चाकू लेकर नजर आ रहे थे। वीडियो मिलने के बाद पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू की। रात में पुलिस ने दोनों आरोपियों को इलाके से गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से दो चाकू बरामद हुए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि लोगों में डर और दबदबा बनाने के लिए उन्होंने यह वीडियो बनाया था। पुलिस के मुताबिक, उदय आदतन अपराधी है। कान्हा के खिलाफ भी पहले के मामले दर्ज हैं। उसका आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाला जा रहा है। कुछ दिन पहले जाट गैंग से जुड़े तीन बदमाशों का भी सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो में वे होटल के कमरे में शराब के नशे में खुलेआम जान से मारने की धमकी देते नजर आए थे।

31 अस्पतालों की वैधता पर इंदौर हाईकोर्ट में सुनवाई, फर्जी दस्तावेज से गुमराह करने का आरोप

इंदौर। इंदौर के 31 अस्पतालों की वैधता और नियमों के पालन को लेकर दायर जनहित याचिका पर मंगलवार को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता एवं अधिवक्ता चर्चित शास्त्री ने अस्पतालों की जांच रिपोर्ट और कोर्ट में प्रस्तुत दस्तावेजों को लेकर गंभीर आपत्तियां दर्ज कराईं। याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि सीएमएचओ डॉ. माधव हासानी द्वारा 31 अस्पतालों के बजाय 34 संस्थानों की जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि विनायक पैथोलॉजी लैब और लेडी हलीमा हॉस्पिटल को सील किए जाने से संबंधित कथित फर्जी आदेश भी रिकॉर्ड पर पेश किए गए हैं, जिससे अदालत को गुमराह करने का प्रयास किया गया। सुनवाई के दौरान यह भी आरोप लगाया गया कि छह अस्पताल संचालकों ने नगर निगम के कथित फर्जी शपथ पत्रों के आधार पर अपर आयुक्त के हस्ताक्षरयुक्त फर्जी भवन अनुमति प्रमाण पत्र अदालत में प्रस्तुत किए हैं।

रायपुरिया-पेटलावद मार्ग पर चलती बाइक में लगी आग, पिता और दो बच्चे सुरक्षित

झाबुआ। झाबुआ जिले के रायपुरिया-पेटलावद मार्ग पर गुरुवार सुबह एक चलती बाइक में अचानक आग लग गई। घटना में बाइक सवार पिता और उनके दो बच्चे बाल-बाल बच गए। एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, बेड़दा निवासी दिलीप कटारा अपने दो बच्चों राहुल और सुन्नी के साथ मातापाड़ा जा रहे थे। वे बच्चों को झाड़-फूंक के लिए ले जा रहे थे। सुबह करीब 7.25 बजे अनन्तखेड़ी फांटे के आगे अचानक बाइक से धुआं निकलने लगा, जिसके बाद आग की लपटों ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। आग लगते ही दिलीप कटारा ने तुरंत बाइक को सड़क किनारे रोका। उन्होंने अपने दोनों बच्चों को सुरक्षित बाइक से दूर किया। कुछ ही पलों में बाइक धू-धू कर जल उठी और पूरी तरह खाक हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पेटलावद थाने की डायल 112 टीम मौके पर पहुंची। आरक्षक भूरजी गुंडिया और पायलट रजनीश सिंगाड़ ने घटनास्थल का जायजा लिया और पंचनामा बनाया।

रायपुरिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जर्जर छत से टपक रहा पानी, मरम्मत की मांग

झाबुआ। झाबुआ जिले के रायपुरिया के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) की करीब 30 साल पहले बनी इमारत पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। पहली ही बारिश में यहां छत से पानी टपकने के कारण मरीजों के इलाज में परेशानी आ रही है। इस संकट से निपटने के लिए मेडिकल ऑफिसर डॉ. प्रताप कटारा ने छत पर प्लास्टिक बिछाई है, ताकि भर्ती मरीजों को भीगने से बचाया जा सके। बता दें कि, पिछले साल भी बरसात के मौसम में छत से पानी का रिसाव हुआ था। उस समय भी तैनात डॉक्टरों ने वरिष्ठ अधिकारियों को लिखित में जर्जर भवन की जानकारी दी थी। इसके बावजूद जिम्मेदार अफसरों ने इस गंभीर समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया, जिसका खामियाजा आज यहां आने वाले गरीब मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। इस स्वास्थ्य केंद्र की अहमियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि रायपुरिया सहित आसपास के 40 से 45 गांवों की करीब 40 हजार की आबादी इलाज के लिए इसी अस्पताल पर निर्भर है।

साइड से चलने की बात को लेकर सब्जी विक्रेता से दो युवकों ने की मारपीट

आलीराजपुर। आलीराजपुर जिले के बोरी थाना क्षेत्र में एक सब्जी विक्रेता और उसके साथियों के साथ दिनदहाड़े मारपीट, पथराव और मोटरसाइकिलें छीनने का मामला सामने आया है। बुधवार को हुई इस वारदात के विरोध में गुरुवार को बोरी नगर के व्यापारियों ने एकजुट होकर अपनी दुकानें बंद रखी और बाजार बंद का आह्वान किया। पुलिस के अनुसार, बोरी इमली चौक निवासी और लहसुन-प्याज के कारोबारी फरियादी दुर्गेश ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। दुर्गेश बुधवार दोपहर करीब 3.45 बजे अपनी मोटरसाइकिल पर प्याज का थैला रखकर दुकान की तरफ जा रहा था। तभी जैन मंदिर के सामने उसे जितेंद्र, मुकेश और उनके दो अन्य साथी मिले। साइड से चलने की बात को लेकर आरोपियों ने दुर्गेश की चलती बाइक में लात मार दी और गाली-गलौज शुरू कर दी। जब दुर्गेश ने गाली देने से मना किया, तो जितेंद्र और मुकेश ने उसके साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई।

रखरखाव के अभाव में लाखों की स्ट्रीट लाइटें विगत 15 दिनों से बंद पड़ी

धार। धार शहर में इंदौर नाका से जेतपुरा स्थित खाद-बीज की शासकीय समिति तक लगी स्ट्रीट लाइटें पिछले 15 दिनों से बंद हैं। यह शहर का प्रमुख मार्ग है, जहां से रोजाना हजारों लोग गुजरते हैं। लंबे समय से लाइटें बंद होने के कारण रात में आवागमन करने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या नई नहीं है। उनके अनुसार स्ट्रीट लाइटें महीने में केवल एक-दो दिन ही चालू रहती हैं, जबकि बाकी समय पूरा मार्ग अंधेरे में डूबा रहता है। शाम के बाद दृश्यता कम होने से दुर्घटनाओं और अप्रिय घटनाओं की आशंका बनी रहती है। स्थानीय निवासी राजेश ने बताया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि रखरखाव के अभाव में स्ट्रीट लाइटें अक्सर बंद रहती हैं, जिससे वाहन चालकों, मजदूरों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को रात में काफी दिक्कत होती है। इस संबंध में नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) विश्वनाथ सिंह से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका पक्ष उपलब्ध नहीं हो सका। स्थानीय नागरिकों ने नगर पालिका से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को जल्द चालू कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यह मार्ग शहर का प्रमुख प्रवेश द्वार है और यहां पर्याप्त रोशनी होना सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक है।

धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में किसान इरिगेशन एवं इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की चौथी नवीन विनिर्माण इकाई का लोकार्पण

पीथमपुर प्रदेश की औद्योगिक शक्ति का महत्वपूर्ण केन्द्र : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र मध्यप्रदेश की औद्योगिक शक्ति का महत्वपूर्ण केंद्र है। किसान इरिगेशन एवं इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड जैसी कंपनियां प्रदेश में निवेश, रोजगार और तकनीकी प्रगति को नई दिशा दे रही हैं। मध्यप्रदेश सरकार उद्योगों के विकास के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान कर रही है। हमारी प्राथमिकता है कि उद्योगों से युवाओं को रोजगार मिले, किसानों को आधुनिक तकनीक उपलब्ध हो और प्रदेश आर्थिक रूप से और अधिक मजबूत बने। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंचाई और जल संरक्षण के क्षेत्र में आधुनिक पाइप, ड्रिप और स्प्रिंकलर इरिगेशन सिस्टम किसानों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह नई इकाई कृषि क्षेत्र में जल प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में किसान इरिगेशन एवं इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की चौथी नवीन विनिर्माण इकाई के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने फैक्ट्री परिसर में शिव मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान से पूजा-अर्चना भी की। मुख्यमंत्री ने कंपनी प्रबंधन को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उद्योगों का विस्तार केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि समाज के समग्र विकास का भी आधार है।

आधुनिक उत्पादों के उत्पादन को भी बढ़ावा मिलेगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नई विनिर्माण इकाई के प्रारंभ होने से पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को और गति मिलेगी। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा प्रदेश में कृषि और जल प्रबंधन से जुड़े आधुनिक उत्पादों के उत्पादन को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश उद्योग, कृषि और तकनीक के समन्वय से विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

वर्तमान में कंपनी की कुल 5 इकाइयां संचालित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवीन इकाई का अवलोकन किया और पाइप निर्माण में उपयोग की जा रही अत्याधुनिक मशीनों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कंपनी द्वारा कृषि, सिंचाई और जल प्रबंधन के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कंपनी प्रबंधन को बधाई दी। कंपनी के एमडी कुणाल अग्रवाल ने जानकारी दी कि किसान इरिगेशन एवं इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की स्थापना लगभग 40 वर्ष पूर्व हुई थी। वर्तमान में कंपनी की कुल 5 इकाइयां संचालित हैं, जिनमें से 4 इकाइयां पीथमपुर में स्थित हैं।

हेड कॉन्स्टेबल ने महिला कॉन्स्टेबल से की छेड़छाड़

पीड़िता बोली- लगातार पीछा किया, कार में बंधक बनाया, सुसाइड की धमकी भी दी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

बाणगंगा थाना पुलिस ने देवास पुलिस लाइन में पदस्थ हेड कॉन्स्टेबल राहुल शर्मा के खिलाफ महिला कॉन्स्टेबल से छेड़छाड़, धमकी और बंधक बनाने के आरोप में बुधवार को मामला दर्ज किया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी लंबे समय से उसका पीछा कर रहा था, लगातार फोन कर परेशान करता था और शादी का दबाव बना रहा था।

पुलिस के मुताबिक, महिलाकॉन्स्टेबल ने बाणगंगा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उसने बताया कि वह करीब एक साल से राहुल शर्मा को जानती है। दोनों की पहचान देवास में पदस्थापना के दौरान हुई थी। शुरूआत में बातचीत होती थी, लेकिन बाद में राहुल लगातार फोन करने लगा। मना करने के बावजूद वह बात करने का दबाव बनाता रहा। पीड़िता ने बताया कि राहुल की हरकतों से परेशान होकर उसने देवास से इंदौर तबादला करा लिया। इसके बाद भी आरोपी ने पीछा नहीं छोड़ा। उसने नंबर ब्लॉक कर दिया, लेकिन राहुल अलग-अलग नंबरों से फोन करता रहा और धमकियां देता रहा। वह कई बार उसका पीछा भी करता था।

आत्महत्या की धमकी देकर बनाया दबाव- शिकायत के अनुसार, राहुल ने कई बार कहा कि यदि महिला उससे बात नहीं करेगी तो वह आत्महत्या कर लेगा। एक बार वह महिला कॉन्स्टेबल का पीछा करते हुए सरकारी अस्पताल तक पहुंच गया, जहां वह एक मामले में पीड़ित का मेडिकल कराने गई थी। वहां भी उसने उससे बात करने की कोशिश की और विवाद किया।

अधिकारियों को दी जानकारी- घटना के बाद महिला कॉन्स्टेबल ने थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर और वरिष्ठ अधिकारियों को पूरे मामले की जानकारी दी। शिकायत के आधार पर बाणगंगा पुलिस ने हेड कॉन्स्टेबल राहुल शर्मा के खिलाफ छेड़छाड़, धमकी, मारपीट और अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

शादी करने का दबाव बनाने लगा

- महिला कॉन्स्टेबल का आरोप है कि एक दिन राहुल ने जबरन उसे अपनी कार में बैठा लिया। बाणगंगा क्षेत्र में उसने कार के अंदर उसका मोबाइल छीन लिया और शादी करने का दबाव बनाने लगा। जब महिला ने बाहर निकलने की कोशिश की तो आरोपी ने कार लॉक कर दी और उसके साथ मारपीट की।
- इसी दौरान महिला की मां का फोन आया। महिला ने उन्हें बताया कि राहुल ने उसे कार में बंधक बना रखा है। सूचना मिलते ही उसका भाई और पिता मौके पर पहुंचे। उन्हें आते देख आरोपी कार लेकर फरार हो गया।

इंदौर पुलिस का ड्रग्स कनेक्शन में बड़ा एक्शन

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई नाना पटवारी पुलिस हिरासत में

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई नाना पटवारी को इंदौर पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस ड्रग्स नेटवर्क से जुड़े एक मामले में उनसे पूछताछ कर रही है। राजेंद्र नगर थाना पुलिस ने यह कार्रवाई दो कथित ड्रग्स पैडलरों की गिरफ्तारी के बाद सामने आए इनपुट के आधार पर की है। पुलिस ने नाना पटवारी को हिरासत में लेकर उनसे मामले में पूछताछ शुरू की है। मामले की जानकारी लगने पर जीतू पटवारी भी भोपाल से इंदौर पहुंच गए हैं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के दौरान नाना पटवारी का नाम सामने आया। इसके बाद जांच टीम ने उन्हें पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। जांच से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि आरोपितों ने नाना पटवारी से संपर्क होने की बात स्वीकार की है। वहीं, पूछताछ के दौरान नाना पटवारी ने भी आरोपितों को जानने की बात मानी है। हालांकि, पुलिस फिलहाल इस बात की जांच कर रही है कि दोनों के बीच संबंध केवल व्यक्तिगत परिचय तक सीमित थे या ड्रग्स नेटवर्क से जुड़ी किसी गतिविधि से भी उनका कोई संबंध रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, मामले के हर पहलू की गहनता से पड़ताल की जा रही है और फिलहाल किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

10 हजार गौवंश के लिए तैयार हो रही गौशाला

काम अंतिम चरण में, जल्द मिलेगा बेसहारा पशुओं को स्थायी आश्रय; महापौर ने किया निरीक्षण

दैनिक अवन्तिका ▸▸ पीथमपुर

बेसहारा गौवंश के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में नगर निगम की महत्वाकांक्षी परियोजना अंतिम चरण में पहुंच गई है। आशापुरा क्षेत्र में बनाई जा रही 10 हजार गौवंश क्षमता वाली आधुनिक गौशाला का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। इसके शुरू होने के बाद शहर के बेसहारा गौवंश को सुरक्षित और सर्वसुविधायुक्त स्थायी आश्रय मिल सकेगा। हाल ही में महापौर पुष्यमित्र भार्गव सहित जनप्रतिनिधियों ने गौशाला का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। महापौर ने बताया कि पहले नगर निगम परिषद क्षेत्र स्थित रेशम केंद्र के सामने संचालित गौशाला में करीब 600 गौवंश का संरक्षण करता था, जबकि वर्तमान में नगर निगम की विभिन्न गौशालाओं में ढाई हजार से अधिक गौवंश का बेहतर सुविधाओं के साथ पालन-पोषण किया जा रहा है।

आशापुरा में 80 बीघा भूमि पर गौशाला

महापौर के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सहयोग से आशापुरा क्षेत्र में करीब 80 बीघा भूमि उपलब्ध कराई गई, जहां जनभागीदारी के माध्यम से रिकॉर्ड समय में इस आधुनिक गौशाला का निर्माण कराया जा रहा है। इसकी क्षमता एक साथ 10 हजार गौवंश के संरक्षण की होगी।
नगर निगम के मुताबिक निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है और जल्द ही गौशाला का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। इसके बाद शहर में सड़कों पर घूमने वाले बेसहारा गौवंश को सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे पशुओं के संरक्षण के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं और यातायात संबंधी समस्याओं में भी कमी आने की उम्मीद है।

टायर फटने से चलती बस में लगी आग

समय रहते सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

शिप्रा थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह करीब 11 बजे रीवा से इंदौर आ रही जय अंबे ट्रेवल्स की बस में अचानक आग लग गई। हादसा शिप्रा थाने के सामने हुआ। राहत की बात रही कि बस में सवार सभी यात्रियों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

पुलिस के मुताबिक, चलती बस का अचानक टायर फट गया। इसके बाद चालक ने बस को संभालने की कोशिश की। इसी दौरान घर्षण के कारण बस के अगले हिस्से में आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया। हादसे में किसी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है।

घटना के बाद पुलिस ने सभी यात्रियों को दूसरी बस से इंदौर रवाना किया। बस में आग लगने से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई थी। हालांकि, इस हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। पुलिस ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर टायर फटने के बाद हुए घर्षण को आग लगने की वजह माना जा रहा है।

जैन मंदिर जा रही महिला से चेन लूटी, पीछा करने वालों को हथियार दिखाकर भागे बदमाश

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

राजमोहल्ला क्षेत्र में गुरुवार सुबह जैन मंदिर दर्शन के लिए जा रही एक महिला से बाइक सवार तीन बदमाशों ने सोने की चेन लूट ली। वारदात के बाद स्थानीय लोगों ने बदमाशों का पीछा भी किया, लेकिन आरोपियों ने हथियार दिखाकर उन्हें डराया और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है।

मल्हारगंज थाना पुलिस के अनुसार फरियादी इंदिरा जैन राजमोहल्ला क्षेत्र की निवासी हैं। गुरुवार सुबह करीब 7.30 बजे वह वैष्णव स्कूल के सामने स्थित जैन मंदिर दर्शन के लिए पैदल जा रही थीं। इसी दौरान बाइक पर सवार तीन बदमाश उनके पास पहुंचे और पीछे बैठे आरोपी ने झपट्टा मारकर उनके गले से सोने की चेन लूट ली। वारदात के बाद तीनों आरोपी तेज रफ्तार से फरार हो गए। महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े और बदमाशों का पीछा भी किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आरोपी एमओजी लाइन की ओर भाग निकले। पीछा करने के दौरान बदमाशों ने हथियार दिखाकर लोगों को डराया, जिससे वे उन्हें पकड़ नहीं सके। घटना की सूचना मिलते ही मल्हारगंज पुलिस सहित वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने क्षेत्र में नाकाबंदी कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। वारदात स्थल दो थाना क्षेत्रों की सीमा से लगा होने के कारण दोनों थानों की पुलिस संयुक्त रूप से जांच में जुटी है।

250 बड़े वाटर प्लांट, 50- निजी हाइड्रेंट, मंजूरी सिर्फ 7 को

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

शहर में भूजल स्तर लगातार नीचे गिर रहा है। इधर, निजी टैंकरों से पानी बेचने का कारोबार भी लगातार बढ़ रहा है। करीब 250 व्यावसायिक आरओ और पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर प्लांट भी बड़ी संख्या में भूजल का उपयोग कर रहे हैं। व्यावसायिक उपयोग के लिए कितना भूजल निकाला जा रहा है, इसका कोई रिकॉर्ड किसी के पास नहीं है।

केंद्रीय भूजल प्राधिकरण की गाइडलाइन के बावजूद शहर में वाटर प्लांट्स में बोरवेल पर डिजिटल फ्लो मीटर नहीं लगे हैं। ऐसे में यह पता नहीं चलता कि रोज कितना भूजल निकाला जा रहा है। सबसे खास बात यह है कि किसी विभाग को यह भी नहीं पता कि शहर में कितने आरओ प्लांट और पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर प्लांट हैं। आरओ प्लांट संचालकों के मुताबिक शहर में रोज करीब 2 लाख वाटर कैन की खपत होती है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक जिले में सिर्फ 7 संस्थानों ने व्यावसायिक भूजल दोहन के लिए एनओसी ली है। करीब 15 संस्थानों ने शपथ पत्र देकर बताया है कि वे प्रतिदिन 10 किलोलीटर (10 हजार लीटर) से कम भूजल निकालते हैं। यदि कोई संस्था 10 केएलडी से अधिक भूजल निकालती है तो उसे केंद्रीय भूजल प्राधिकरण से एनओसी लेना अनिवार्य है। गाइडलाइन के अनुसार व्यावसायिक उपयोग के लिए भूजल निकालने वाले कई मामलों में बोरवेल पर टैंपर-प्रूफ डिजिटल फ्लो मीटर लगाना, पानी की निकासी का रिकॉर्ड रखना, जरूरत पड़ने पर संबंधित एजेंसी को जानकारी उपलब्ध कराना अनिवार्य है।

जय श्री महाकाल
ऑल कंस्ट्रक्शन वर्क के लिए एजेक्स फ्लोरी 2300 के.जी. किराये से 24 घंटे उपलब्ध है।
ए.के. सिंह मो. 7748813792
सिविल इंजीनियर की आवश्यकता है।
देवास रोड, आरके क्लब कॉलोनी, अभिलाषा के पीछे, उज्जैन

सीमेन्ट आर्टिकल के थोक एवं खेरची विक्रेता
ए.के. ट्रेडर्स
फ्रन्ट एलीवेशन, फैन फ्लावर, फ्लावर बार्डर, कालम कुम्भी, कवेलु ब्लाक, बिल्सी, राजधानी पैटर्न मेहराब खम्बे डिजाईन वाले, लालटेन, तोड़ी पे. आर.सी.सी. चेम्बर, ड्रेनेज लाईन एवं समस्त
ऑफिस : 220/5, नामदार, रवीदास धर्मशाला के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
अखलाक हुसैन, मुस्तकिम हुसैन
मोबाइल 9827253852, 83192 9962, 7869555897

हस्तरेखाएं बोलती है कब? क्यों? कैसे?
जीवन की कठिन परेशानियों व्यापार नहीं चलना, विवाह या प्रेम विवाह में बाधा, कर्ज का बोझ, गृह कलेश, मानसिक अशाति व आर्थिक समस्याओं का सटीक हल प्राप्त करें। शुद्ध जन्म पत्रिका बनवाने व पत्रिका मिलान हेतु सम्पर्क करें।
पं. रुपेश रमेशचंद्र नाहर
(M.A. Astrologer)
प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य, भारतीय ज्योतिष विज्ञान संस्थान
नानाखेड़ा बस स्टेण्ड के पीछे, ए-5/8, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, सांई पैलेस होटल के सामने, उज्जैन
नोट- फोन पर समय लेकर मिले। समय दोपहर 1 से 5 बजे तक
मोबाइल- 9827007312, 98277-33384
(web.www.jyotishdham.in)

बिना ऑपरेशन कान के मवाद से मुक्ति
कटे कान जुड़वाएं
किडनी की पथरी का अंत तुरंत
निःशुल्क दवा प्राप्त करें
डॉ. पी.पी. ओझा
कर्ण रोग विशेषज्ञ
9425360006,9425107617
प्रति शनिवार को मिले
निकास चौराहा बुधवारिया, उज्जैन

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapress@gmail.com